▪ RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 242 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 31-03-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में प्रवेश की अनुमति दी : नितिन नवीन

6 युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की वाणी

7 किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो : कंगना रनौत

फर्स्ट टेक

लेबनान में 24 घंटे में तीन शांति सैनिकों की मौत : संयुक्त राष्ट्र

दुबई, 30 मार्च (एपी) दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षा मिशन ने कहा है कि 24 घंटे से भी कम समय में तीन शांति सैनिकों की मौत हो गई। इजराइल दक्षिणी लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह से लड़ रहा है। लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) नामक शांतिरक्षा मिशन ने यह नहीं बताया कि किन घटनाओं में इन शांति सैनिकों की मौत हुई या इसके लिए कौन जिम्मेदार है।

रोडशो

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन सोमवार को राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कांचीपुरम में डीएमके उम्मीदवार नित्या सुकुमार के समर्थन में आयोजित रोडशो के दौरान समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

निशानेबाज

दूजों का घर चले फूंकने,
खुद का हाथ जला बैठे।
छलने चले दूसरों को जो,
किस्मत स्वयं छला बैठे।
आँच नहीं जिनके चूल्हे में,
अपनी दाल गला बैठे।
जिनके नहीं निशाने पक्के,
वे भी तीर चला बैठे।।

घुसपैठ केवल चुनावी मुद्दा नहीं, अस्मिता की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- पहली बार वोट देने वाले और युवा मतदाताओं को पिछली कांग्रेस सरकारों के कुशासन के बारे में याद दिलाने की जरूरत है
- जहां-जहां घुसपैठिए बसते हैं, वे छोटे व्यवसायों और स्थानीय निवासियों की आजीविका पर कब्जा कर लेते हैं।

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर घुसपैठियों को जमीन कब्जाने की अनुमति देने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि असम में घुसपैठ केवल चुनावी मुद्दा नहीं है, बल्कि यह राज्य की अस्मिता की रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है।

नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले असम में भाजपा के बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यम से संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य ने लंबे समय तक अस्थिरता का दौर देखा, लेकिन पिछले एक दशक में स्थिति बदली है क्योंकि भाजपा की डबल-इंजन सरकार ने राज्य में शांति सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पहली बार वोट देने वाले और युवा मतदाताओं को असम में पिछली कांग्रेस सरकारों के कुशासन के बारे में याद दिलाने की जरूरत है और उन्हें आगाह करना चाहिए कि सबसे छोटी गलती भी राज्य को पीछे धकेल सकती है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राज्य में पार्टी की जीत की हैट्रिक सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

मोदी ने कहा, घुसपैठ सिर्फ चुनावी मुद्दा नहीं है। यह असम की पहचान और राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा का विषय है। कांग्रेस ने घुसपैठियों को अवैध तरीके से भूमि कब्जाने की अनुमति दी। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां-जहां घुसपैठिए बसते हैं, वे छोटे व्यवसायों और स्थानीय निवासियों की आजीविका पर कब्जा कर लेते हैं।

'मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को अवैध भूमि कब्जाने के मामलों और स्थानीय निवासियों की समस्याओं के बारे में पूरी जानकारी होनी चाहिए।

नक्सलियों के साथ रहते-रहते कांग्रेस के नेता खुद नक्सलवादी बन गए : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को लोकसभा में कांग्रेस और सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर करार प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि नक्सलियों के साथ रहते-रहते ''एक पार्टी'' के नेता खुद नक्सलवादी बन गए। शाह ने देश को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त किए जाने के मुद्दे पर सदन में हुई चर्चा का जवाब देते हुए राहुल गांधी पर नक्सलियों का समर्थन करने का आरोप लगाया।

गृह मंत्री ने कहा, ''राहुल गांधी जी अपने लंबे राजनीतिक करियर में कई बार नक्सलियों और उनके हमदर्दों के साथ देखे गए हैं। भारत जोड़ो यात्रा में कई नक्सल फ्रंटल संगठन ने हिस्सा लिया, जिसका रिकॉर्ड भी है।'' उन्होंने दावा किया कि 2010 में ओडिशा में लाडो शिकोका के साथ राहुल ने मंच साझा किया और शिकोका ने उसी मंच से भड़काऊ भाषण दिया तथा उन्हें माला भी पहनाई।

सूर्यवंशी के ताबड़तोड़ अर्धशतक से

राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपरकिंग्स को रौंदा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। नंद्रे बर्गर (26 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद हाल ही में अपना 15वां जन्मदिन मनाने वाले वैभव सूर्यवंशी की ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारी के बूते राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में सोमवार को यहां चेन्नई सुपरकिंग्स को 47 गेंद शेष रहते आठ विकेट से रौंदकर अपने अभियान का बेहतरीन तरीके से आगाज किया। जैमी ओवरटन की 36 गेंदों में 43 रन की पारी के बावजूद चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम 19.4 ओवर में 127 रन पर आउट हो गई।

प्रदर्शन

महान नेता बीजू पटनायक पर कथित टिप्पणी के खिलाफ बीजू युवा और छात्र जनता दल का कड़ा विरोध प्रदर्शन।

बीजू पटनायक का कभी अपमान नहीं किया: निशिकांत दुबे

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने सोमवार को कहा कि उन्होंने ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक का कभी अपमान नहीं किया, बल्कि वह उनका बहुत सम्मान करते हैं।

दुबे ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं से कहा, बीजू पटनायक के प्रति सम्मान में कभी कोई कमी नहीं रही। जब कांग्रेस ने बीजू बाबू के साथ अन्याय किया था, उस वक्त जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी ही उनके साथ खड़ी रही थी। मैंने उस दिन जो कहा था उसे मैं आज फिर से दोहराता हूं, वह यह है कि मैं नेहरू-गांधी परिवार और कांग्रेस की करतूतों को उजागर करने वाली एक सतत शृंखला चला रहा हूं। उन्होंने कहा, मैंने बीजू बाबू पर क्या आरोप लगाया?...मैं नेहरू परिवार की करतूतों के बारे में बोल रहा था और मैंने बस इतना ही कहा। अगर इससे किसी को ठेस पहुंची है, तो मैं केवल उन्हें अपनी बात समझाने की कोशिश कर सकता हूं।

पात्रा ने लोकसभा में राहुल पर कसा तंज, 'आप सरेंडर हैं, हम धुरंधर हैं'

नयी दिल्ली/भाषा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद संबित पात्रा ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के एक पुराने ट्वीट को लेकर उन पर तंज कसते हुए कहा कि आप सरेंडर हैं, हम धुरंधर हैं। वामपंथी उग्रवाद से देश को मुक्त कराने के प्रयास पर चर्चा में भाग लेते हुए पात्रा ने 2018 में महाराष्ट्र के यलगार परिषद और भीमा-कोरेगांव मामले का हवाला देते हुए नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधा।

भाजपा सांसद ने कहा, जनवरी 2018 में महाराष्ट्र में यलगार परिषद और भीमा कोरेगांव मामला हुआ था। वहां आगजनी हुई थी, जो प्रायोजित थी। किस प्रकार भारत को बांटने की कोशिश की गई थी। किस प्रकार जातियों को भिड़ाने की कोशिश की गई थी। उसके पीछे माओवादियों का हाथ था। उन्होंने कहा कि घटना के सिलसिले में कई लोगों की

गिरफ्तारियां हुई थीं, जिसके बाद राहुल गांधी का एक ट्वीट आया था।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, आज राहुल जी सदन में नहीं हैं। लेकिन मैं उन्हें ससम्मान कहना चाहता हूं कि हां राहुल जी यह नया भारत है। आप सरेंडर हैं। हम धुरंधर हैं। उन्होंने नक्सलवाद को लेकर पूर्ववर्ती कांग्रेस नीत सरकार में भ्रम की स्थिति रहने का दावा करते हुए कहा कि एक ओर जहां तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का मानना था कि नक्सलवाद से घातक कुछ और नहीं हो सकता, वहीं कांग्रेस के एक धड़े का इससे खास लगाव था।

भाजपा सांसद ने कहा कि यह 'ऑपरेशन ग्रीन हंट' की नाकामी थी कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 76 जवान अपैल 2010 में एक ही दिन में छत्तीसगढ़ में शहीद हो गए। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद पहली बार इतनी तादाद में सुरक्षाकर्मी हताहत हुए थे। पात्रा ने कहा कि कांग्रेस ने परिस्थितियों को जानबूझ कर अनेदेखा किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 2012 में उच्चतम न्यायालय की एक खंडपीठ ने 'सलवा जुडुम' को समाप्त कर दिया और उस खंडपीठ में शामिल रहे न्यायमूर्ति बी. सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार बनाया गया। सांसद ने दावा किया कि छत्तीसगढ़ में 76 लोगों के मारे जाने पर दिल्ली के एक विश्वविद्यालय में मातम नहीं, सेलिब्रेशन मनाया गया था।

तेलंगाना विधानसभा में 'गिग वर्कर' के कल्याण और सामाजिक सुरक्षा के लिए विधेयक पारित

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना विधानसभा में सोमवार को 'गिग वर्कर' के कल्याण के उद्देश्य से एक विधेयक पारित किया गया। तेलंगाना प्लेटफॉर्म-बेस्ड गिग वर्कर (रजिस्ट्रेशन, सोशल सिक्युरिटी एंड वेलफेयर) बिल, 2026 को पेश करने वाले राज्य के श्रम मंत्री जी विवेक वेंकटस्वामी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान 'गिग वर्कर' से मुलाकात की थी और उनकी समस्याओं को सुना था। उन्होंने कहा कि 'गिग वर्कर' के लिए नौकरी की सुरक्षा, न्यूनतम मजदूरी और स्वास्थ्य जांच की कमी को देखते हुए राहुल गांधी ने सुझाव दिया था कि सरकार सेवा प्रदाता कंपनियों और श्रमिक संघों के साथ बातचीत करे और उनके कल्याण के लिए कानून बनाए।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सेवा प्रदाता कंपनियों और श्रमिक संघों के साथ बैठक की, जिसके बाद सरकार ने एक मसौदा विधेयक तैयार किया, जिसे 30 दिनों के लिए सार्वजनिक किया गया। इस प्रस्ताव पर 65 सुझाव प्राप्त हुए और सरकार ने सेवा प्रदाता कंपनियों के साथ चर्चा की। वेंकटस्वामी ने बताया कि उन्होंने सेवा प्रदाता कंपनियों से बातचीत की थी, जिन्होंने बताया कि उन्हें नुकसान हो रहा है और अगर सरकार भारी उपकर लगाती है तो उनपर और भी वित्तीय दबाव आ सकता है।

उद्योग जगत को दिया बैंक ऋण फरवरी में 13.5 प्रतिशत बढ़ा : आरबीआई

मुंबई/भाषा

उद्योग जगत को दिया बैंक ऋण 28 फरवरी को समाप्त पखवाड़े में 13.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह वृद्धि 7.5 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सोमवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली।

आरबीआई के अनुसार कर्ज में वृद्धि का कारण अवसंरचना, 'ऑल इंजीनियरिंग', रसायन एवं रासायनिक उत्पाद, पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और परमाणु ईंधन तथा वस्त्र क्षेत्रों को दिए ऋण में बढ़ोतरी है।

केंद्रीय बैंक ने फरवरी 2026 के लिए क्षेत्रवार बैंक ऋण वितरण से संबंधित आंकड़े जारी किए है। आंकड़े 41 चयनित अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से एकत्र किए गए। ये बैंक सभी वाणिज्यिक बैंकों के कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। आरबीआई ने कहा, 28 फरवरी 2026 को समाप्त पखवाड़े में गैर-खाद्य बैंक ऋण सालाना आधार पर 14.3 प्रतिशत बढ़ा, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि (सात मार्च 2025) में यह वृद्धि 11.1 प्रतिशत थी।

उद्योग क्षेत्र को ऋण में सालाना आधार पर 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 7.5 प्रतिशत से अधिक है।

केंद्रीय बैंक के अनुसार सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्योगों को दिए गए ऋण में दहाई अंकों की वृद्धि जारी रही, जबकि बड़े उद्योगों को दिए गए ऋण में भी उच्च वृद्धि दर्ज की गई।

आंकड़ों के अनुसार, सेवा क्षेत्र को दिए गए ऋण में सालाना आधार पर 16.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 11.7 प्रतिशत थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और वाणिज्यिक रियल एस्टेट को दिए गए ऋण में बढ़ोतरी के कारण हुई।

आरबीआई ने कहा कि व्यक्तिगत ऋण खंड में सालाना आधार पर 15.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो एक वर्ष पहले 11.7 प्रतिशत थी। इसमें आवास ऋण में स्थिर वृद्धि जारी रही जबकि वाहन ऋण और सोने के आभूषण के बदले ऋण जैसे खंडों में तेज विस्तार बना रहा।

बैंकिंग कंपनियां 50,000 रुपए से अधिक ब्याज आय पर काटेंगी टीडीएस

नई दिल्ली/भाषा। बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के प्रावधानों के तहत आने वाली सभी बैंकिंग कंपनियां निर्धारित सीमा से अधिक ब्याज आय पर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) करेंगी। आयकर विभाग ने सोमवार को यह जानकारी दी। आयकर कानून के अनुसार, यदि बैंक या डाकघर जमा से प्राप्त ब्याज आय एक वित्त वर्ष में सामान्य नागरिकों के लिए 50,000 रुपए और वरिष्ठ नागरिकों के लिए एक लाख रुपए से अधिक हो जाती है, तो उस पर टीडीएस काटा जाता है। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जानकारी दी कि नए आयकर अधिनियम, 2025 की धारा 402 के तहत बैंकिंग कंपनी से तात्पर्य उन कंपनियों से है जिन पर बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 लागू होता है।

आयकर अधिनियम, 1961 के तहत 'बैंकिंग कंपनी' की परिभाषा में केवल वे कंपनियां ही नहीं, बल्कि उस अधिनियम की धारा 51 में उल्लिखित कोई भी बैंक या बैंकिंग संस्था भी शामिल हैं।

सशस्त्र बलों ने 'एक्स द्वीप शक्ति' के तहत जमीनी-समुद्री हमले का अभ्यास किया

नई दिल्ली/भाषा। सशस्त्र बलों की तीनों सेवाओं ने संयुक्तता और अंतरसंचालन क्षमता की पुन:पुष्टि करते हुए 'एक्सरसाइज द्वीप शक्ति' नामक संयुक्त अभ्यास किया, जिसके तहत अगली पीढ़ी के उपकरणों और ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए समन्वित जमीनी-समुद्री हमलों, समुद्री वर्चस्व अभियान और जटिल समुद्री लैंडिंग प्रयासों को अंजाम दिया गया। भारतीय सेना ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सेना ने बताया कि 'एक्सरसाइज द्वीप शक्ति' 24 से 28 मार्च तक आयोजित किया गया, जिसमें तटीय और द्वीपीय क्षेत्रों में रक्षा अभियानों के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया के लिए एकीकृत क्षमता की पुष्टि हुई। सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना ने अगली पीढ़ी के उपकरणों और ड्रोन का इस्तेमाल करते हुए बेहतरीन तालमेल के साथ समन्वित जमीनी-समुद्री हमलों, समुद्री वर्चस्व अभियान और जटिल समुद्री लैंडिंग अभ्यास को अंजाम दिया, जिससे सटीकता, संयुक्तता और अंतरसंचालनीयता की पुष्टि हुई। सेना ने अभ्यास से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी साझा कीं।

उसने कहा कि इस अभ्यास ने एकीकृत रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं को भी परिष्कृत किया, जिससे सशस्त्र बलों की बढ़ती बहु-क्षेत्रीय क्षमता और भारत की समुद्री सीमाओं एवं द्वीपीय क्षेत्रों को सुरक्षित करने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को बल मिला।

सैनिकों को दो लड़ाइयां लड़ने के लिए मजबूर ना किया जाए : सूर्यकांत

नई दिल्ली/भाषा

सशस्त्र बलों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा कि देश को उन्हें 'एक साथ दो लड़ाइयां लड़ने' के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए, जिनमें से एक सीमा पर और दूसरी अपने कानूनी अधिकारों के लिए घर पर। उन्होंने सैनिकों के लिए बेहतर न्यायिक पहुंच की अपील की।

रविवार को लेह में 'माननीय प्रधान न्यायाधीश के संबोधन के कुछ बिंदु' शीर्षक से दिए गए भाषण में न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायपालिका और सशस्त्र बलों के बीच सहजीवी संबंध पर प्रकाश डाला और कहा कि जहां न्यायालय संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करते हैं, वहीं वे सैनिक ही हैं, जो उन आदर्शों को कायम रखने के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनाते हैं। हिमालय के शांत लेकिन दुर्गम परिदृश्य की पृष्ठभूमि में, प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) ने सैनिकों की बहादुरी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने 1962 के रेजांग ला के युद्ध का विशेष

उल्लेख किया और मेजर शैतान सिंह भाटी व 13 कुमाऊं की चार्ली कंपनी के 114 सैनिकों के बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा, संविधान अधिकारों, गरिमा, समानता और न्याय की भाषा में बोलता है, लेकिन इन वादों को भारत की जनता के लिए कायम रखने के लिए आपने जो परिस्थितियां बनाई हैं, उसका पूरा श्रेय आपको जाता है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, कोई राष्ट्र सार्थक रूप से स्वतंत्रता या न्याय की बात तब तक नहीं कर सकता, जब तक वह अपनी संप्रभुता, स्थिरता और शांति को बरकरार नहीं रखता। इस अर्थ में न्यायालय के कार्य और सैनिक के कार्य की पद्धति भिन्न है, लेकिन उद्देश्य एक है और दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं।

सैनिकों के सामने आने वाली कठिनाइयों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वर्दी में सेवा करने से जीवन के सामान्य बोझ से मुक्ति नहीं मिलती, और एक सैनिक को भूमि विवाद का सामना भी करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, एक पूर्व सैनिक को सेवा या कल्याणकारी लाभों के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। एक परिवार पेंशन संबंधी देरी, आवास संबंधी समस्याओं, वैवाहिक कलह या नौकरशाही की उदासीनता में फंस सकता है। उन्होंने कानूनी मार्गदर्शन तक आसान पहुंच के अभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा, देश को कभी भी अपने सैनिकों को एक साथ दो लड़ाइयां लड़ने की स्थिति में नहीं डालना चाहिए-एक सीमा पर और दूसरी घर पर कानूनी अधिकारों के लिए। कानून को सैनिक तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि सैनिक हमेशा कानून तक नहीं पहुंच सकता। उन्होंने कहा कि यह केवल सहानुभूति का मामला नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक कर्तव्य भी है। उन्होंने आगे कहा कि यदि राज्य की संस्थाएं राष्ट्र की अखंडता की रक्षा करने वालों के लिए समय पर कानूनी सहायता सुनिश्चित नहीं कर सकतीं, तो वे अपने नैतिक और संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में विफल रहती हैं।

इसके बाद प्रधान न्यायाधीश ने 'वीर परिवार सहायता योजना' का जिक्र किया, जिसे सेवारत रक्षाकर्मियों, पूर्व सैनिकों, उनके आश्रित परिवार के सदस्यों और अर्धसैनिक बलों और सीएपीएफ के सदस्यों को मुफ्त कानूनी सहायता, सहयोग और समर्थन सेवाएं प्रदान करने के लिए तब शुरू किया गया था, जब वे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के कार्यकारी प्रमुख थे।

प्रचार

शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की मौजूदगी में नामांकन से पहले विशाल रैली के जरिए अपनी ताकत दिखाई।

आंध्र प्रदेश में कुख्यात उग्रवादी समेत नौ माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया

अमरावती/भाषा

आंध्र प्रदेश में कुख्यात नक्सली नेता सी नारायण राव समेत नौ उग्रवादियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। प्रदेश के पुलिस प्रमुख ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता ने दावा किया कि राज्य में वामपंथी उग्रवाद समाप्त हो गया है।

गुप्ता के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वाला राव 'आंध्र ओडिशा बॉर्डर' (एओबी) का सचिव था और 36 वर्षों से माओवादी आंदोलन में सक्रिय था। वह वर्ष 2018 में विधायक किदारी सर्वेश्वर राव की हत्या, 2001 में सीआई गांधी और 1997 में मुख्य आरक्षक नरेन्द्र दास की हत्या जैसे कई संगीन अपराधों में शामिल था।

राव 1990 में माओवादी आंदोलन में शामिल हुआ था।

गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, केंद्र ने वादा किया था कि 31 मार्च, 2026 से पहले वामपंथी उग्रवाद खत्म कर दिया जाएगा, जिसमें पिछले दो वर्षों में हमने अपनी भूमिका निभाई। आज, आंध्र प्रदेश में वामपंथी उग्रवाद का अंत हो गया है।

हरीश कुमार गुप्ता ने दावा किया कि आंध्र प्रदेश में माओवादी भूमिगत अभियान में अब एक भी सक्रिय कैडर नहीं है। उन्होंने राज्यभर में चलाए गए उग्रवाद विरोधी अभियानों में समन्वित प्रयासों के लिए 'ग्रेहाउंड्स', विशेष खुफिया शाखा और जिला पुलिस इकाइयों की भूमिका की भी सराहना की।

इसी के साथ उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा बलों ने छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे पड़ोसी राज्यों को भी माओवाद विरोधी अभियानों के दौरान मदद की।

पुलिस ने अभियान का व्यापक विवरण देते हुए बताया कि इस दौरान कुल 18 मुठभेड़ें हुईं, 81 गिरफ्तारियां की गईं और 106 आत्मसमर्पण हुए, जिससे कुल कार्रवाई की संख्या 205 तक पहुंच गई।

पुलिस ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कई कैडर 2017 से 2023 के बीच इस अभियान में शामिल हुए थे और सुरक्षा शिविरों पर हमलों व अन्य हिंसक घटनाओं में लिप्त थे।

गुप्ता ने कहा कि जनाधार में कमी, माओवादी विचारधारा से मोहभंग और राज्य सरकार की आकर्षक पुनर्वास नीतियों के चलते ही इन माओवादियों ने आत्मसमर्पण का रास्ता चुना है।

संविधान संशोधन विधेयकों को पारित कराने का अधार गलत: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने सोमवार को जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण की एक टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जिस आधार पर कुछ संविधान संशोधन विधेयकों को आनन-फानन में पारित कराने की कोशिश कर रही है, वो गलत है।

भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायणन ने सोमवार को लोगों से जनगणना करने वालों को सही जानकारी देने की अपील करते हुए आश्वस्त किया कि व्यक्तिगत डेटा गोपनीय रहेगा तथा इसे किसी साक्ष्य या किसी योजना का लाभ लेने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि कई डेटा सेट 2027 में ही प्रकाशित किए जाएंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया।

डब्ल्यूटीओ वार्ता समाप्त, ई-कॉमर्स पर शुल्क से जुड़ी रोक बढ़ाने पर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली/भाषा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का चार दिन का 14वां मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) सोमवार को कैमरून के याउंडे में समाप्त हो गया, लेकिन ई-कॉमर्स पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की व्यवस्था को आगे बढ़ाने के मुद्दे पर सदस्य देशों के बीच सहमति नहीं बन सकी।

यह व्यवस्था 1998 से लागू है, जिसके तहत डिजिटल डाउनलोड और स्ट्रीमिंग जैसी इलेक्ट्रॉनिक सेवाओं पर सीमा शुल्क नहीं लगाया जाता। तब इसे दो साल के लिए लागू किया गया था और बाद में हर दो साल में इसे बढ़ाया जाता रहा। अब इस पर सहमति नहीं बनने से देशों के पास इन सेवाओं पर शुल्क लगाने का रास्ता खुल सकता है।

बैठक में इस मुद्दे पर अमेरिका और ब्राजील के बीच मतभेद सामने आए। कुछ देश इस व्यवस्था को आगे बढ़ाने के पक्ष में नहीं थे या केवल दो साल का विस्तार चाहते थे, जबकि अमेरिका इसे पांच साल तक बढ़ाने की मांग कर रहा था। मौजूदा व्यवस्था 31 मार्च को समाप्त होने वाली है। सम्मेलन 26 मार्च से शुरू हुआ था और 29 मार्च को खत्म होना था, लेकिन इसे बढ़ाकर 30 मार्च तक चलाया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता करने वाले कैमरून के व्यापार मंत्री ल्यूक मैग्लॉयर म्बार्गा अतांगाना ने कहा कि चार दिन की बैठक में व्यापार मंत्रियों ने कई मुद्दों को निपटाने की कोशिश की, लेकिन समय की कमी के कारण कुछ लंबित मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। इनमें ई-कॉमर्स पर डब्ल्यूटीओ की कार्य प्रक्रिया, 'इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन' पर सीमा शुल्क वसूलने पर लगी वर्तमान रोक को जारी रखने और बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधित पहलुओं (टीआरआईपीएस) से जुड़ी शिकायतों का समाधान जैसे विषय सम्मिलित थे। अब इन विषयों पर चर्चा संगठन के मुख्यालय जिनेवा में जारी रहेगी।

डब्ल्यूटीओ की महानिदेशक न्गोजी ओकोंजो-इवेला ने डब्ल्यूटीओ सुधार पर जारी वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा में हुई प्रगति, मत्स्य पालन सब्सिडी पर आगे के नियमों पर काम को आगे बढ़ाने के निर्णय और अन्य मुद्दों का स्वागत किया।

उन्होंने सुझाव दिया कि सदस्य देश चार दिन की मंत्री स्तरीय चर्चा के दौरान तैयार किए गए दस्तावेजों के मसौदे का उपयोग करें और शेष मुद्दों पर जिनेवा में होने वाली अगली परिषद की बैठक में अंतिम समझौता करने की कोशिश करें।

संवाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पूर्वोत्तर और उत्तर भारतीय राज्यों के सांसदों के साथ संवाद किया। विकास और सहयोग पर चर्चा की।

पलानीस्वामी को खदेड़ने की लड़ाई है यह चुनाव : उदयनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कांचीपुरम। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सोमवार को यहां अपना विधानसभा चुनाव प्रचार आरंभ करते हुए कहा कि यह चुनाव अन्नाद्रमुक सुप्रीमो पलानीस्वामी को खदेड़ने की लड़ाई है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को तमिलनाडु में (सत्ता में) आने से रोकने के लिए है।

द्रमुक के संस्थापक सी एन अन्नादुरई (1909-1969) के पैतृक शहर कांचीपुरम में अपना प्रचार अभियान आरंभ करते हुए उदयनिधि ने अपने पिता एवं पार्टी प्रमुख एम के स्टालिन के इस बयान का स्मरण किया कि आगामी चुनाव तमिलनाडु एवं दिल्ली के बीच की लड़ाई है । उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा को पैर नहीं जमाने दिया जाना चाहिए।

उदयनिधि ने पलानीस्वामी को प्रधानमंत्री मोदी का 'गुलाम' होने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि ''विपक्ष के नेता (पलानीस्वामी) के वैचारिक मार्गदर्शक प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह हैं।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए, विधानसभा चुनाव अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी को खदेड़ने के लिए है। क्या हम तमिलनाडु में प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह को सत्ता में आने दे सकते हैं?'' उन्होंने कहा कि जनता ऐसा होने नहीं देगी।

उन्होंने कहा, ''इस चुनाव में हमें यह साबित करना होगा कि तमिलनाडु हमेशा दिल्ली के नियंत्रण से बाहर है। तमिलनाडु को भाजपा को पूरी तरह से हाशिये पर धकेलना होगा, जो राज्य के साथ विश्वासघात कर रही है। यह करना ही होगा।'' उन्होंने द्रमुक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का ब्यौरा दिया, जिनमें मुख्यमंत्री नाश्ता योजना और महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना शामिल हैं। उन्होंने कांचीपुरम में जमीन पर उतारी गयी अवसंरचना योजनाओं का भी उल्लेख किया और लोगों से द्रमुक के 'उगते सूरज' चिन्ह का समर्थन करने की अपील की।

उदयनिधि ने अपने चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत से पहले अन्ना के स्मारक पर जाकर पार्टी के इस दिग्गज नेता को पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि उन्होंने कांचीपुरम से चुनाव प्रचार शुरू किया, जबकि मुख्यमंत्री स्टालिन मंगलवार को द्रमुक के वरिष्ठ नेता एम. करुणानिधि के गृह नगर तिरुवरूर से चुनाव प्रचार शुरू करेंगे।

हालांकि, पलानीस्वामी ने चेन्नई के मायलापुर निर्वाचन क्षेत्र से अपना चुनाव प्रचार शुरू किया, जो भाजपा को आवंटित है।

केरल के मुख्यमंत्री विजयन ने सतीशन की चुनौती स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने सोमवार को नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीशन की सार्वजनिक बहस की चुनौती स्वीकार कर ली, जिससे नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक सरगर्मी और तेज हो गई है। सतीशन द्वारा चुनौती दिए जाने के एक दिन बाद विजयन ने सोशल मीडिया पर वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार का ''रिपोर्ट कार्ड'' साझा किया और कहा कि इसमें सूचीबद्ध उपलब्धियों के आधार पर बहस की जा सकती है।

इसके तुरंत बाद, सतीशन ने कहा कि वह मुख्यमंत्री द्वारा तय किए गए समय और स्थान पर बहस में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। सतीशन ने एक फ़ेसबुक पोस्ट में कहा, अब जब मुख्यमंत्री ने कह दिया है कि वह बहस के लिए तैयार हैं, तो वह जगह और समय तय कर सकते हैं। मैं उसी के अनुसार वहाँ पहुँच जाऊँगा। बाकी का फ़ैसला जनता को करने दें। बाद में, कोल्लम में विजयन ने एक प्रेसवार्ता में बहस के लिए विपक्ष की तत्परता का स्वागत किया और कहा कि राज्य में चर्चाओं के लिए विधानसभा ही सबसे महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष विधानसभा में मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में विफल रहा और सत्ता पक्ष के जवाबों के डर से वहाँ होने वाली बहसों और चर्चाओं से भाग खड़ा हुआ।

अदालत हिरासत में पिता-बेटे की मौत के मामले में दो अप्रैल को सुनाएगी सजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। तमिलनाडु के मदुरै की एक अदालत ने सथानकुलम में पिता-पुत्र की हिरासत में मौत के बहुचर्चित मामले में दोषी ठहराए गए नौ पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य, वित्तीय स्थिति एवं आचरण संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत करने में हुई देरी के लिए सोमवार को केंद्र और राज्य सरकारों को फटकार लगाई। अदालत दो अप्रैल को दोषियों को सजा सुनाएगी।

अदालत ने व्यापारी पी. जयराज और उनके बेटे जे. बेनिक्स की 2020 में हिरासत में हुई मौत के मामले में 23 मार्च को नौ पुलिसकर्मियों को दोषी पाया था और अधिकारियों को 30 मार्च तक दोषियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, उनकी संपत्ति, वेतन विवरण और जेल से उनके आचरण संबंधी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था, ताकि सजा तय की जा सके।

अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश मुथुकुमारन ने सोमवार को मामले की सुनवाई शुरू होते ही अभियोजन पक्ष से सवाल किया कि मामले की गंभीरता के बावजूद अनिवार्य दस्तावेज दाखिल करने में देरी क्यों हुई। अदालत ने पूर्व निरीक्षक श्रीधर और उपनिरीक्षक बालकृष्णन एवं रघु गणेश सहित सभी नौ आरोपियों को दोषी ठहराया था। न्यायाधीश ने पूछा, यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामला है। इन रिपोर्ट को दाखिल करने में देरी क्यों हो रही है? केंद्र और राज्य सरकारों के वकीलों ने दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय देने का अनुरोध किया। न्यायाधीश ने अंतिम अवसर देते हुए सुनवाई दो अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तब तक रिपोर्ट दाखिल करें। रिपोर्ट जमा होने के बाद सजा सुनाए जाने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने चेन्नई में कोलाथुर विधानसभा सीट से नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने सोमवार को चेन्नई के कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र से 13 अप्रैल को होने वाले चुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद स्टालिन ने विश्वास जताया कि कोलाथुर क्षेत्र की जनता उन्हें लगातार चौथी बार शानदार जीत दिलाएगी। स्टालिन 2011, 2016 और 2021 के विधानसभा चुनावों में कोलाथुर निर्वाचन क्षेत्र से विजयी रहे हैं। नामांकन के तुरंत बाद उन्होंने रोड शो किया और लोगों का अभिवादन कर समर्थन मांगा।

इस दौरान द्रमुक अध्यक्ष ने कोलाथुर क्षेत्र में अपने कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया। मानव संसाधन एवं संचार मंत्री पी.के. शेखर बाबू सहित पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ डीएमके अध्यक्ष यहां चुनाव कार्यालय पहुंचे और राज्य में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के पहले दिन अपना नामांकन पत्र जमा किया। द्रमुक ने 164 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की। रविवार को स्टालिन ने विकास की रूपरेखा और लक्ष्यों को रेखांकित करते हुए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया।

विपक्षी अन्नाद्रमुक ने मुख्यमंत्री के खिलाफ चेन्नई निगम के पार्षद पी संथानकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है जबकि अभिनेता-राजनेता विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने वी एस बाबू को मैदान में उतारा है, जिससे मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। नामांकन दाखिल करते ही चुनाव प्रचार शुरू करने वाले स्टालिन ने विश्वास जताया कि इस क्षेत्र की जनता उन्हें लगातार चौथी बार भारी बहुमत से जीत दिलाएगी। स्टालिन ने संवाददाताओं से कहा, मुझे जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। पिछली तीन बार की तुलना में मुझे पूरा विश्वास है कि इस बार जनता के भारी समर्थन के कारण मेरी जीत का अंतर बहुत बड़ा होगा। उन्होंने कहा कि द्रमुक 200 से अधिक सीटें जीतेगी और पिछले चुनाव की तरह ही इस बार भी द्रमुक का चुनाव प्रचार बेहद प्रभावी होगा। तमिलनाडु में 234 विधानसभा क्षेत्र हैं।

टीवीके प्रमुख विजय ने चेन्नई के पेरम्बूर से नामांकन दाखिल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के प्रमुख और अभिनेता से नेता बने विजय ने सोमवार को चेन्नई के पेरम्बूर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अपील की कि वे टीवीके को अवसर दें और 23 अप्रैल को पार्टी के प्रतीक चिह्न सीटी' पर मतदान करें। वहीं, पार्टी के शीर्ष नेता आधव अर्जुन ने चेन्नई के विल्लीवक्कम विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन दाखिल किया।

'अर्जुन लॉटरी किंग' सैंटियागो मार्टिन के दामाद हैं। विजय की तरह ही टीवीके के चुनाव अभियान प्रबंधन महासचिव अर्जुन के लिए भी यह पहला विधानसभा चुनाव है। वह पूर्व में विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) के साथ थे। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद विजय ने अपने चुनाव प्रचार वाहन से लोगों को संबोधित करते हुए द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को ''बुरी शक्ति'' करार दिया। उन्होंने द्रमुक शासन पर निशाना साधते हुए कानून-व्यवस्था तथा नशीले पदार्थों के कथित प्रसार को लेकर सरकार की आलोचना की तथा कहा कि महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है।

विजय ने कहा, ''हमें तमिलनाडु को बचाना है। इस दुर्दशा के लिए कौन जिम्मेदार है? इस स्थिति के लिए ''बुरी शक्ति' द्रमुक जिम्मेदार है।'' उन्होंने उत्तरी चेन्नई के पेरम्बूर और मध्य तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पूर्वी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। विजय ने चुनाव को केवल टीवीके और सत्तारूढ़ द्रमुक के बीच की सीधी टक्कर बताया। उन्होंने स्टालिन सरकार पर पिछले पांच वर्षों में परिवार के साथ मिलकर ''लूट'' करने का आरोप भी लगाया।

महिलाओं के लिए योजनाएं सामाजिक निवेश हैं, जिनका उद्देश्य सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है : कनिमोई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) की उपमहासचिव कनिमोई ने कल्याणकारी योजनाओं को मुफ्त की सौगात कहे जाने पर आपत्ति जताते हुए सोमवार को कहा कि महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा जैसी पहल सामाजिक निवेश हैं, जिनका उद्देश्य सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है। विधानसभा चुनाव के लिए द्रमुक का घोषणापत्र जारी होने के एक दिन बाद यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, हमें समझना चाहिए कि यह सामाजिक निवेश है। सामाजिक न्याय के लिए निवेश है। संभव है कि जो लोग मानते हैं कि सामाजिक न्याय नहीं होना चाहिए, वे इसे समझे बिना इसकी आलोचना करें।

द्रविड़ मॉडल शासन के आर्थिक पहलू को समझाते हुए कनिमोई ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम समेत वैश्विक अर्थशास्त्रियों का मानना है कि वास्तविक आर्थिक प्रोत्साहन तभी मिलता है जब पैसा सीधे लोगों के हाथों में दिया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की क्रय शक्ति बढ़ती है और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलता है।

उन्होंने 'मगलिर उरिमई थोगई' (महिला बेसिक इनकम) योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि 1.3 करोड़ से अधिक महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये देने से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में बुनियादी बदलाव आया है, क्योंकि इससे लाभार्थियों की खर्च करने की क्षमता बढ़ी है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं को दूसरों पर निर्भर हुए बिना अपने स्वास्थ्य या छोटे व्यवसायों में निवेश करने का

अवसर मिला है। 'विदियाल पयनम' (महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा) योजना के प्रभाव पर उन्होंने बताया कि इससे अप्रत्यक्ष आय होगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अब एक महिला अपने खाली समय का उपयोग यात्रा करके अंशकालिक काम करने में कर सकती है और संभावित रूप से 5,000 रुपये महीना कमा सकती है, क्योंकि यात्रा खर्च की बाधा खत्म हो गई है। द्रमुक नेता ने उन आलोचकों पर भी निशाना साधा जो वॉशिंग मशीन या माइक्रोवेव जैसे घरेलू उपकरणों को विलासिता मानते हैं। ऐसे उपकरणों के लिए वाउचर देने के पार्टी के वादे पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि इनका उद्देश्य महिलाओं के कठिन परिश्रम और समय की कमी को कम करना है।

कनिमोई ने बताया कि घोषणापत्र में वादा किया गया है कि 8,000 रुपये का वाउचर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए है, जिससे उनपर घरेलू काम का बोझ कम होगा। उन्होंने कहा, सिर्फ महिलाएं ही इस तकलीफ को समझती हैं। कनिमोई ने उदाहरण देते हुए कहा कि गैस चूल्हे पर खाना दोबारा गर्म करने में बर्तनों को बदलना और फिर अतिरिक्त बर्तन साफ करना पड़ता है, जबकि सीधे फ्रिज से बर्तन माइक्रोवेव में रखकर समय और श्रम दोनों बचाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि रसोई से इस तरह की राहत महिलाओं को अपना समय अन्य उत्पादक कार्यों में लगाने का अवसर देती है।

सरकार के प्रदर्शन के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि 2021 के घोषणापत्र में किए गए 505 वादों में से 404 पूरे किए जा चुके हैं। शेष 101 में से कुछ केंद्र सरकार के सहयोग की कमी के कारण लंबित हैं, जबकि 64 को स्थानीय चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले पांच वर्ष में कई ऐसी योजनाएं भी लागू की गईं जो उस समय के घोषणापत्र में शामिल नहीं थीं, जैसे स्कूली छात्रों के लिए मुख्यमंत्री नाश्ता योजना। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनाव के लिए घोषणापत्र व्हाट्सऐप, ईमेल और सीधे बैठकों के माध्यम से प्राप्त हुए लगभग 80,000 सुझावों के विश्लेषण के बाद तैयार किया गया है ताकि हर वादा व्यवहारिक और पूरा करने योग्य हो।

पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में करीब 23 फीसदी उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा चुनाव के करीब 23 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने नाम पर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जबकि 41 प्रतिशत उम्मीदवार करोड़पति हैं। 'एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। चुनाव सुधारों पर काम करने वाले इस गैर-सरकारी संगठन ने नौ अप्रैल को होने वाले चुनाव में 30 सीट पर चुनाव लड़ रहे 294 उम्मीदवारों में से 291 के हलफनामों का विश्लेषण किया। चुनाव परिणाम चार मई को घोषित किए जाएंगे। चुनाव लड़ रहे 294 उम्मीदवारों में से 34 राष्ट्रीय दलों से, 63 राज्य दलों से, 80 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों से, जबकि 117 निर्दलीय हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 66 उम्मीदवारों (23 प्रतिशत) ने अपने नाम पर आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जबकि 2021 में 323 उम्मीदवारों में से 54 (17 प्रतिशत) ने ऐसा किया था। इन 66 में से 38 (13 प्रतिशत) गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं, जबकि 2021 में यह संख्या 28 (9 प्रतिशत) थी। प्रमुख दलों में शामिल कांग्रेस के 21 उम्मीदवारों में से तीन, अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस के 16 उम्मीदवारों में से चार, द्रमुक के 12 उम्मीदवारों में से छह और भाजपा के 10 उम्मीदवारों में से पांच ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामलों की जानकारी दी है।

इनमें से तीन उम्मीदवारों पर महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले दर्ज हैं, जबकि दो उम्मीदवारों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, ''प्रमुख राजनीतिक दलों ने 14 से 50 प्रतिशत तक ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।'' गौरतलब है कि 13 फरवरी, 2020 के उच्चतम न्यायालय के एक आदेश में राजनीतिक दलों को आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों को बिना आपराधिक रिकॉर्ड वाले उम्मीदवारों के मुकाबले टिकट देने के कारणों को स्पष्ट करने का निर्देश दिया गया था। एडीआर की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में हुए दो राज्य चुनावों में यह देखा गया कि राजनीतिक दलों ने अपने चयन को उचित ठहराने के लिए उम्मीदवार की 'लोकप्रियता', सामाजिक कार्यों का 'रिकॉर्ड', मामलों का 'राजनीतिक रूप से प्रेरित होना' आदि जैसे 'बेबुनियाद' और 'आधारहीन' कारण दिए।

टीवीके अध्यक्ष विजय ने 603 करोड़ रुपए की संपत्ति घोषित की, पत्नी करीब 16 करोड़ की मालकिन

चेन्नई। अभिनय से राजनीति में आए एवं तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक अध्यक्ष विजय ने सोमवार को तमिलनाडु विधानसभा के लिए दाखिल अपने नामांकन पत्र के साथ संलग्न हलफनामे में 603.20 करोड़ रुपये की संपत्ति होने की जानकारी दी है। विजय (52) ने निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए हलफनामे में खुलासा किया कि उनके पास 404.58 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है। उन्होंने बताया कि उनके पास कुल 198.62 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति है, जिसमें कोडाइकनाल में कृषि भूमि और चेन्नई में वाणिज्यिक और आवासीय संपत्तियां शामिल हैं।

टीवीके अध्यक्ष ने पत्नी संगीता की अलग से संपत्ति घोषित की है। संगीता के पास कुल 15.76 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसमें 15.51 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 25 लाख रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। विजय ने बताया कि उनके पास दो लाख रुपये की नकदी और विभिन्न बैंक खातों में 213 करोड़ रुपये जमा राशि है। हलफनामा के मुताबिक, टीवीके अध्यक्ष के पास कई करोड़ रुपये मूल्य की महंगी गाड़ियां भी हैं, जिनमें बीएमडब्ल्यू 530, टोयोटा लेक्सस, टोयोटा वेलफायर और बीएमडब्ल्यू आई7 शामिल हैं। उनके पास 883 ग्राम सोने के गहने और 15 लाख रुपये के चांदी के सामान हैं।

विजय पर बैंकों या वित्तीय संस्थानों की कोई देनदारी या बकाया राशि नहीं है और वित्तवर्ष 2024-25 में उनकी कुल आय 184.53 करोड़ रुपये थी। विजय ने हलफनामे में कहा है कि उनके खिलाफ कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं है और न ही उन्हें किसी अपराध के लिए दोषी ठहराया गया है। टीवीके प्रमुख ने बताया कि 1992 में चेन्नई के लोयोला कॉलेज से बीएससी की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। उन्होंने 1989 और 1991 में क्रमशः 10वीं और 12वीं की पढ़ाई प्राइवेट माध्यम से पूरी की है। विजय 23 अप्रैल को तमिलनाडु विधानसभा के लिए होने वाले चुनाव में पेरम्बूर और तिरुचि पूर्व, दो सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

पुडुचेरी की जनता कांग्रेस-द्रमुक को सत्ता में आने का मौका नहीं देगी : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि पुडुचेरी की जनता कांग्रेस और द्रमुक को केंद्र शासित प्रदेश की सत्ता में आने नहीं देगी क्योंकि दोनों दल 'जनहित के बजाय परिवार पहले' रखने के सिद्धांत पर खड़े हैं। मोदी ने केंद्र शासित प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के बूथ-स्तरीय कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)पुडुचेरी पहले, भारत पहले' का प्रतिनिधित्व करता है और पार्टी कार्यकर्ताओं से इस संदेश को हर युवा तक पहुंचाने का आह्वान किया।

उन्होंने कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के 'कुकृत्यों' के प्रति जनता के असंतोष को प्रभावी ढंग से 'उजागर करने' के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं की सराहना की। मोदी ने भाजपा की 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद' पहल के तहत कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा, ''उनके (कांग्रेस-द्रमुक)के बीच जारी

संघर्षों के बावजूद उनका व्यवहार नहीं बदला है। वे भली-भांति जानते हैं कि पुडुचेरी की जनता उन्हें दूसरा मौका नहीं देगी।''

''भाजपा का मेरा बूथ, सबसे मजबूत संवाद' चुनावी राज्यों के कार्यकर्ताओं से सीधे जुड़ने की पहल है। मोदी ने कहा कि कांग्रेस और द्रमुक इस उम्मीद में आपस में लड़ना जारी रखे हुए हैं कि अगर कोई मौका मिला तो वे लाभ का बड़ा हिस्सा हासिल कर सकें। उन्होंने कहा, आज मैं सभी पार्टी सदस्यों को एक ही काम सौंपना चाहता हूं। घर-घर जाकर, हर नागरिक से मिलें और उन्हें स्पष्ट रूप से बताएं कि कांग्रेस-द्रमुक का अभिप्राय परिवार सर्वोपरि है जबकि भाजपा-राजग का मतलब पुडुचेरी सर्वोपरि, भारत सर्वोपरि है। यह बात हर युवा तक पहुंचनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को महिला मतदाताओं से बातचीत करते समय आंकड़ों का भी उल्लेख करने की सलाह दी। उन्होंने कहा, कृपया उन्हें सूचित करें कि पुडुचेरी में महिलाओं के खिलाफ अपराध दर राष्ट्रीय औसत से कम है। इसके अलावा, उन्हें यह भी बताएं कि पुलिस द्वारा सभी दर्ज मामलों की सक्रिय रूप से जांच की जाती है।''

महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए हम प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित कार्यक्रम में 1 लाख 22 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को दो यूनिफार्म के लिए 1-1 हजार रूपये डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित किए। इस दौरान शर्मा ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडो प्रोत्साहन योजना, कालीबाई भील योजना के लाभार्थियों को भी चैक सौंपे। शर्मा ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्तानौनिहालों का पूरा ध्यान रखती हैं और वे इस भावी पीढ़ी की नींव को मजबूत कर राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले दो वर्ष में आंगनबाड़ियों के सुदृढ़ीकरण के लिए कई निर्णय लिए हैं। हमारी सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, मिड डे मील कुक कम हेल्पर सहित समस्त मानदेय कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि की है जो 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि अमृत आहार योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष आयु के बच्चों को सप्ताह में 5 दिन गर्म दूध दिया जा रहा है तथाआंगनबाड़ियों के सुदृढ़ीकरण-मरम्मत का कार्य भी करवाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आगनबाड़ी कार्यकर्ता और महिला पर्यवेक्षकों को स्मार्ट फोन दिए गए हैं।साथ ही, आगामी समय में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की आंखों की निःशुल्क जांच एवं चश्मा भी उपलब्ध करवाया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि गांवों में बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से ही सशक्त-आत्मनिर्भर भारत का निर्माण किया जा सकता है। इसी को ध्येय मानते हुए राज्य सरकार द्वारा 19 मार्च से 15 मई तक मुख्यमंत्री विकसित ग्राम-वार्ड अभियान का संचालन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत राज्य की सभी ग्राम पंचायतों और नगरीय वार्डों के लिए स्थानीय आकांक्षाओं के अनुरूप विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी इस पहल में हिस्सा लेते हुए गांवों के विकास को लेकर सुझाव दे तथा अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्त होने से ही देश-प्रदेश का विकास संभव है। हमारी सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत प्रदेश में अब तक 16 लाख से अधिक लखपति दीदी बनाई गई है। साथ ही, इस वर्ष के बजट में लखपति दीदी योजना के तहत ऋण राशि को 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि दूध पर 5 रुपये प्रति लीटर के अनुदान के माध्यम से पशुपालन से जुड़ी महिलाओं को लाभ मिला है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मा वाउचर योजना सहित विभिन्न योजनाओं द्वारा महिलाओं का सशक्तीकरण हुआ है।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता छोटे बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में बड़ी भूमिका निभाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिला सशक्तीकरण को नए आयाम दिए है। लखपति दीदी, सोलर दीदी, बैंक सखी जैसी योजनाओं से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं के उत्थान के लिए ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। राज्य सरकार महिलाओं की शिक्षा, कौशल, सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी केंद्रों में वर्ष भर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों के वार्षिक कैलेंडर का भी विमोचन किया। इस दौरान महिला बाल विकास राज्यमंत्री मंजू बाघमार, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास श्रीमती पूनम सहित विभिन्न अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताएं एवं सहायिकाएं मौजूद रहीं।

बच्चों में देरी से चलना-बैठना हो सकता है एसएमए का संकेत, समय पर जांच जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अगर आपका बच्चा बैठना या चलना देरी से शुरू करता है, उसके पैरों में हलचल कम होती है या उसे बार-बार निमोनिया हो रहा है तो इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है क्योंकि चिकित्सकों का मानना है कि ये संकेत एक गंभीर आनुवंशिक बीमारी 'स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी' (एसएमए) के हो सकते हैं। चिकित्सकों के अनुसार, चिंताजनक बात यह है कि अधिकतर अभिभावकों को इसका अंदाजा तब होता है, जब बीमारी गंभीर स्तर पर पहुंच चुकी होती है। राज्य की राजधानी जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में सात अप्रैल 2025 को मेडिकल जेनेटिक विभाग की स्थापना के बाद मात्र 12 महीने में ही एसएमए के 50 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

एसएमएस अस्पताल के मेडिकल जेनेटिक विभाग के प्रोफेसर डॉ. प्रियांशु माथुर ने कहा, स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी अक्सर जन्म के समय दिखाई नहीं देती। बच्चा सामान्य लगता है, लेकिन जैसे-जैसे वह बड़ा होता है, उसके पैरों में कमजोरी आने लगती है। धीरे-धीरे पैरों की हलचल कम हो जाती है और बच्चा सामान्य बच्चों की तुलना में समय पर बैठना या चलना शुरू नहीं कर पाता।

उन्होंने कहा, एसएमए एक आनुवंशिक बीमारी है, जो मांसपेशियों को कमजोर कर देती है। यदि माता-पिता दोनों इस बीमारी के वाहक हैं, तो उनके बच्चे में इस बीमारी के होने का खतरा 25 प्रतिशत तक रहता है, भले ही माता-पिता में कोई लक्षण न हों। चिकित्सक के अनुसार, यदि किसी परिवार में पहले से कोई बच्चा इस बीमारी से पीड़ित है, तो भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति रोकना सबसे महत्वपूर्ण है जिसके लिए गर्भधारण से पहले या शुरुआती गर्भावस्था में 'जेनेटिक टेस्टिंग' और परामर्श जरूरी है। माथुर ने कहा, घबराने की जरूरत नहीं है। अब इस बीमारी का इलाज संभव है और देश के विभिन्न चिकित्सा संस्थानों सहित एसएमएस अस्पताल में इसका उपचार उपलब्ध है। उन्होंने कहा, लेकिन जानकारी के अभाव में कई मरीज उपचार के लिए दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहरों के चक्कर लगाते हैं।

उन्होंने कहा, सवाई मानसिंह अस्पताल में 'जेनेटिक टेस्टिंग' और परामर्श की सुविधा उपलब्ध है। इस बीमारी का दवाओं के साथ-साथ जीन थेरेपी जैसी उन्नत तकनीकों से भी उपचार किया जा रहा है।

माथुर ने कहा, विभिन्न भारतीय अध्ययनों के अनुसार, देश में लगभग हर 38 से 44 व्यक्तियों में से एक व्यक्ति एसएमए का वाहक हो सकता है। ऐसे में जागरुकता बेहद जरूरी है। इस बीमारी की समय पर पहचान और सही जानकारी ही इससे लड़ने का सबसे बड़ा हथियार है। सवाई मानसिंह अस्पताल से संबद्ध जेके लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ. आरएन सेहरा ने बताया कि एसएमए एक आनुवांशिक बीमारी है।

उनका कहना था कि ऐसे मरीज शत-प्रतिशत तो ठीक नहीं हो पाते हैं, लेकिन दवाओं से इन्हें काफी मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि विशेष दवाओं से बीमारियों के दुष्परिणाम कम हो गए हैं। डा. सेहरा ने बताया कि साथ ही दवा और थैरेपी से कुछ हद तक मरीज बैठने और चलने तक लग जाते हैं जो पहले संभव नहीं था।

राज्य में टाइप-1 डायबिटीज उपचार और सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन को मिलेगी मजबूती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार प्रदेश में टाइप1 डायबिटीज के उपचार और सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन को और सुदृढ़ करेगी। मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में सचिवालय में सोमवार को आयोजित बैठक में इस संबंध में चर्चा की गई। भारत सरकार के पूर्व स्वास्थ्य सचिव श्री राजेश भूषण (आईएएस सेवानिवृत्त), निदेशक कॉर्पोरेट अफेयर्स श्री दिवाकर मित्तल तथा नोवो नॉर्डिस्क संस्था के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित बैठक में डायबिटीज, बच्चों में बढ़ता मोटापा तथा सिकल सेल एनीमिया के समग्र प्रबंधन के एकीकृत मॉडल पर विचार विमर्श किया गया। मुख्य सचिव ने राज्य में टाइप-1 डायबिटीज के प्रभावी प्रबंधन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा बांसवाड़ा, डूंगरपुर एवं प्रतापगढ़ जैसे जनजातीय जिलों में सिकल सेल एनीमिया कार्यक्रम को प्राथमिकता के साथ सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पीपीपी मोड पर काम करते हुए राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच एवं गुणवत्ता दोनों को बेहतर बनाया जा सकता है।

बैठक में टाइप1 डायबिटीज के प्रभावी उपचार के लिए प्रदेश में प्रारंभ किए गए नवाचार 'मिशन मधुहारी' को सुदृढ़ करने के लिए सार्वजनिक-निजी सहभागिता (पीपीपी) मॉडल पर कार्य करने की रूपरेखा भी प्रस्तुत की गई। साथ ही सिकल सेल एनीमिया के लिए हब एंड स्पोक मॉडल अपनाने पर चर्चा की गई। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने टाइप1 डायबिटीज के प्रभावी उपचार एवं सिकल सेल एनीमिया प्रबंधन की दिशा में चिकित्सा विभाग की ओर से किए गए प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉ. अमित यादव, निदेशक (आरसीएच) डॉ. मधु रतेश्वर तथा नोवो नॉर्डिस्क इंडिया की ओर से मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विक्रांत श्रोत्रिय मौजूद थे।

सेवानिवृत्त शिक्षक दंपति की हत्या

जयपुर। राजस्थान के ब्यावर जिले में सेवानिवृत्त शिक्षक दंपति की रविवार को कथित तौर पर लोहे के सरिए से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। ब्यावर के जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह ने बताया कि इस मामले में दो नाबालिगों समेत चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने बताया कि वारदात के समय विनोद कुमार शर्मा (68) और उनकी पत्नी पूर्णिमा शर्मा (65) घर पर अकेले थे। सॉफ्टवेयर इंजीनियर उनका बेटा नौकरी के सिलसिले में शहर से बाहर था। सिंह ने बताया कि इस घटना का पता रविवार रात तब चला, जब दंपति के घर से लगातार पानी बहता रहा।

राजस्थान बार काउंसिल चुनाव के संबंध में उच्च स्तरीय निर्वाचन समिति की बैठक आयोजित

जयपुर। राजस्थान बार काउंसिल चुनाव 2026 के संबंध में सोमवार को शासन सचिवालय में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा गठित उच्च स्तरीय निर्वाचन समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा की गई। इस बैठक में उच्च स्तरीय समिति के चेयरमैन सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) जे.आर. मिधा तथा सभी सदस्यों सहित उपस्थित रहे। साथ ही पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा, मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव भास्कर ए. सावंत, नोडल ऑफिसर के रूप में विधि विभाग के प्रमुख शासन सचिव राघवेंद्र काछवाल, राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुरेश वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में हुई चर्चा के अनुसरण में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राजस्थान राज्य बार काउंसिल के चुनाव में राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित सहयोग प्रदान किया जाएगा। मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक पोलिंग बूथ पर एसडीओ रैंक के अधिकारी को बतौर को-ऑब्जर्वर नियुक्त किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक चुनाव प्रक्रिया से परिचित क्लेरिकल कर्मचारी तथा एक सहयोगी (चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी) भी उपलब्ध कराया जाएगा। मुख्य सचिव ने मतदान हेतु आवश्यक सभी व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने तथा संबंधित अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

पुलिस महानिदेशक शर्मा ने आश्वस्त किया कि बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के आगामी चुनावों के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। इस संबंध में प्रमुख शासन सचिव, विधि को संबंधित अधिकारियों से आवश्यक पत्राचार करने के निर्देश प्रदान किए गए।

जियो और जीने दो के जयकारों के साथ निकली भगवान महावीर की भव्य शोभायात्रा

दौसा । सकल जैन समाज, दौसा के तत्वावधान में जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जन्मकल्याणक महोत्सव सोमवार को श्रद्धापूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शहर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली गई और भगवान महावीर के सिद्धांतों पर चलने का संकल्प लिया गया। केसरिया और सफेद परिधानों में सजी भव्य शोभायात्रा जैन समाज के प्रवक्ता प्रतीक जैन ने बताया कि शोभायात्रा का शुभारंभ पुराने शहर स्थित पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से हुआ।

शोभायात्रा में सबसे आगे धर्म ध्वजा लिए अश्व सवार युवक और पीछे अष्टकुमारियों की मनमोहक झांकी चल रही थी। श्रद्धालु 'जियो और जीने दो' तथा 'अहिंसा परमो धर्मः' की तख्तियां लिए चल रहे थे। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यह यात्रा आदिनाथ जैन मंदिर पहुँचकर धर्मसभा में परिवर्तित हो गई। आदिनाथ जैन मंदिर में भगवान की पाषाण प्रतिमा का कलशाभिषेक किया गया। इस पावन अवसर पर भगवान को माला पहनाने का सौभाग्य नरेंद्र कुमार जैन (नीमला) परिवार को प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने भव्य पालना झुलाकर पुण्य लाभ अर्जित किया। महावीर जयंती के उपलक्ष्य में एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसका शुभारंभ प्रेमचंद जैन एवं विनय कुमार जैन (एडवोकेट) परिवार द्वारा किया गया। समाज के युवाओं और महिलाओं ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य और मुख्य अतिथि समिता जैन ने कहा कि महावीर स्वामी के सत्य और करुणा के संदेश आज के दौर में सर्वाधिक प्रासंगिक हैं। एक विशेष पहल के तहत, विश्व के विभिन्न हिस्सों में चल रही हिंसा में हताहत हुए निर्दोष लोगों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और विश्व शांति की कामना की गई।

सहकारी आंदोलन को मजबूत बनाने में अरबन बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका

सीकर/ दक्षिण भारत। सीकर अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के संचालक मंडल द्वारा सहकारिता मंत्री गौतम दक का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री दक ने बैंक प्रबंधन की सराहना करते हुए कहा कि सहकार की भावना के साथ कार्य करने से यह संस्था शहरी क्षेत्र में अग्रणी और प्रगतिशील भूमिका निभाएगी। उन्होंने सहकारी आंदोलन को मजबूत बनाने में अरबन बैंकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। इस अवसर पर बैंक अध्यक्ष डॉ. प्रदीप जोशी एवं संचालक मंडल के सदस्यों ने अतिथियों का साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया। डॉ.जोशी ने कहा कि सहकारिता मंत्री तथा जिले के सभी जनप्रतिनिधियों का मार्गदर्शन बैंक को नई उंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा। कार्यक्रम में सैनिक कल्याण बोर्ड अध्यक्ष (राज्य मंत्री) प्रेम सिंह बाजोर, विधायक गोवर्धन वर्मा, विधायक सुभाष मील सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बीसलपुर-जयपुर पेयजल परियोजना: रखरखाव कार्य निर्धारित समय से पहले पूर्ण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल के कुशल नेतृत्व में जलदाय विभाग की टीम ने बीसलपुर-जयपुर पेयजल परियोजना के अंतर्गत प्रस्तावित रखरखाव कार्य को निर्धारित शटडाउन अवधि से पहले ही सफलतापूर्वक पूर्ण कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। अतिरिक्त मुख्य अभियंता क्षेत्र द्वितीय जयपुर अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि विभाग द्वारा 28 मार्च 2026 को रात्रि 8:00 बजे से 29 मार्च 2026 को रात्रि 8:00 बजे तक आवश्यक रखरखाव कार्यों हेतु शटडाउन प्रस्तावित किया गया था। पूर्व निर्धारित कार्य योजना के अनुसार सभी कार्यों को समयबद्ध तरीके से निष्पादित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप कार्य निर्धारित समय से पहले ही पूर्ण कर लिया गया।

सभी कार्य समय पर पूर्ण होने के बाद 29 मार्च को दोपहर 2:30 बजे बीसलपुर इनटेक पम्प हाउस से पम्प संचालन प्रारंभ कर दिया गया। इसके पश्चात सूरजपुरा फिल्टर प्लांट से जल शोधन कर शाम 4:50 बजे जयपुर शहर हेतु पेयजल पंपिंग आरम्भ कर दी गई है। एवं रात्रि 9 बजे पेयजल जयपुर स्थित बालाबाला पम्पहाउस पर पहुंच गया।

राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने के बाद मेरा लक्ष्य पावरप्ले का फायदा उठाने का था : सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते सत्र में ऐतिहासिक पदार्पण के बाद राजस्थान रॉयल्स के उभरते हुए प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का मौजूदा सत्र में लक्ष्य गेंदबाजों पर हावी होकर पावरप्ले में दबदबा कायम करना है। इस 15 साल के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने पिछले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाए थे। इसमें 35 गेंदों में जड़ा गया तूफानी शतक और 200 से अधिक का स्ट्राइक रेट शामिल था। इस तरह के आंकड़ों ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का बड़ा सितारा बना दिया। सूर्यवंशी का मानना है कि पावरप्ले में आक्रामक शुरुआत करने के बाद अब उनका लक्ष्य अपने विकेट की कीमत समझते हुए टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाना है, ताकि विरोधी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो जाए। उन्होंने 'जियोस्टार' से कहा, जब मेरा चयन हुआ, तो मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम को अच्छी शुरुआत देना था। मैं पावरप्ले में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था और अगर अच्छी शुरुआत मिलती, तो विकेट बचाते हुए लंबी पारी खेलना चाहता था। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि अगर मैं अपने शॉट्स सही से खेलता रहूं, तो मैच का रुख पलट सकता है क्योंकि 200 से अधिक रन का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता। इस सत्र में हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं तो मेरा और टीम का प्रदर्शन अपने आप चर्चा में आ जाएगा और यही सबसे अहम है।

आईपीएल में सबसे कम उम्र में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी सूर्यवंशी ने इसी साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में 175 रनों की धमाकेदार पारी भी खेली थी। सूर्यवंशी ने यह भी बताया कि बचपन में जिन दो खिलाड़ियों से वह सबसे ज्यादा प्रेरित हुए, वे वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा और भारत के विश्व कप विजेता स्टार युवराज सिंह हैं। लारा अपनी मैच जिताऊ टेस्ट पारियों के लिए मशहूर रहे, वहीं युवराज सिंह अपने बेखौफ शॉट्स से गेंदबाज़ों की धज्जियां उड़ाने के लिए जाने जाते हैं।

उन्होंने कहा, मैंने ब्रायन लारा और युवराज सिंह, दोनों को अकेले दम पर मैच खत्म करते देखा है। अगर वे क्रीज पर टिक जाते थे तो विरोधी टीम के लिए वापसी का कोई मौका नहीं होता था। मुझे उनकी यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई। सूर्यवंशी के बचपन के कोच मनीष ओझा ने बताया कि अकादमी में आने के समय उनकी सबसे खास बात उनका निडर, आक्रामक रुख और बेहतरीन टाइमिंग थी।

उन्होंने कहा, 2018 में जब वह अकादमी में आए, तभी साफ था कि उनमें प्रतिभा और क्रिकेट के प्रति गहरा जुनून है। उन्हें बल्लेबाजी के दौरान आक्रामक खेल पसंद था और उनकी टाइमिंग शानदार थी। हर सत्र में वह 400-500 गेंदें खेलते थे और तब तक नहीं रुकते थे, जब तक मैं उन्हें ब्रेक नहीं दूं।

क्या देश में वामपंथी उग्रवाद की जगह दक्षिणपंथी उग्रवाद लेगा : ओवैसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को लोकसभा में सरकार से सवाल किया किया कि क्या देश में दक्षिणपंथी उग्रवाद धुर वामपंथी उग्रवाद की जगह लेगा।

भारत को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के प्रयास पर चर्चा में भाग लेते हुए ओवैसी ने यह भी कहा कि देश में सबसे बड़ी आबादी नौजवानों की है तथा बांग्लादेश और नेपाल में हुए हालिया घटनाक्रमों से सबक लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश और नेपाल पुकार-पुकार कर कह रहा है कि इंकलाब (वहां की) सरकार को बदलने के लिए नहीं लाया गया था, बल्कि शासन में सुधार करने के लिए लाया गया था।''

ओवैसी ने किसी दक्षिणपंथी संगठन का नाम लिए बिना आरोप लगाया कि फर्जी मुठभेड़, घरों को ध्वस्त करना, आदिवासियों और मुसलमानों की गरिमा को छीन कर एक माहौल बनाने का काम वे संगठन कर रहे हैं जो अतिवादी कट्टरपंथ में यकीन रखते हैं और यह सरकार उनका समर्थन कर रही है। उन्होंने कहा, ''मैं सरकार से पूछना चाहता हूं कि क्या दक्षिणपंथी उग्रवाद धुर वामपंथी उग्रवाद की जगह लेगा।'' उन्होंने सरकार से सवाल किया, ''क्या आप इस अतिवादी कट्टरपंथ पर रोक लगाएंगे?''

एआईएमआईएम सांसद ने चुनावी राज्य असम की भाजपा सरकार पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि देश में मुसलमानों की ऐसी बड़ी आबादी है जो अभी युवा हैं और आपके खुद के मुख्यमंत्री कहते हैं कि उन्हें दो रुपया कम दीजिए, तो उससे उनके असम छोड़ने का माहौल बनेगा। उन्होंने कहा, ''यह सही नहीं है और यह भी एक तरह का उग्रवाद है। इसकी निंदा होनी चाहिए।'' उन्होंने देश में वामपंथी उग्रवाद समाप्त होने के संबंध में सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा किए गए दावों को लेकर कहा कि वामपंथी उग्रवाद में शामिल जितने भी लोग आज हथियार डाल रहे हैं वे अपनी विचारधारा को नहीं छोड़ रहे हैं।

ओवैसी ने कहा, ''वे हथियार डाल रहे हैं, मगर अपनी विचारधारा पर कायम हैं। और यदि वे विचारधारा को नहीं छोड़ेंगे तो आपने कौन सी कामयाबी हासिल कर ली।'' उन्होंने दावा किया, ''वे लोग (नक्सल) विचारधारा पर आज भी कायम हैं।''

अधिकारी ने नंदीग्राम से पर्चा दाखिल किया, कहा :

भाजपा बंगाल में निर्णायक जीत दर्ज करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को नंदीग्राम निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया और विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत दर्ज करेगी।

अधिकारी ने पूर्वी मेदिनीपुर जिले के हल्दिया में उप-संभागीय अधिकारी (एसडीओ) के समक्ष अपना नामांकन पत्र सौंपा। इस दौरान केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे। अधिकारी के साथ जिले से भाजपा के दो और प्रत्याशियों ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। पार्टी की संभावनाओं को लेकर आश्वस्त नजर आ रहे अधिकारी कहा, ''इस बार मतदाताओं में भाजपा की मांग कहीं अधिक है।'' उन्होंने कहा,''भाजपा पश्चिम बंगाल में स्वच्छ, भ्रष्टाचार मुक्त, विकासोन्मुखी और नैतिक सरकार लाने के लिए प्रतिबद्ध है।''

पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता अधिकारी ने कहा कि वह नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों ही सीटों से जीतेंगे। भाजपा ने उन्हें सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ एक हाई-प्रोफाइल चुनावी मुकाबले में दो सीटों से मैदान में उतारा है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अपने गढ़ भवानीपुर में अधिकारी के साथ कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ रहा है, जिससे यह राज्य की सबसे चर्चित विधानसभा सीट बन गई है।

अधिकारी ने 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को मामूली अंतर से हराया था, जिससे यह निर्वाचन क्षेत्र राज्य के सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्रों में से एक बन गया था।

कांग्रेस ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश में प्रवेश की अनुमति दी : नितिन नवीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जागीरोड/ बोकाखात (असम)/भाषा। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि जब वह सत्ता में थी, तब उसने असम में अवैध रूप से बांग्लादेशियों को राज्य में दाखिल होने में मदद की। उन्होंने दावा किया कि असम की सत्ता में आने के बाद भाजपा ने बांग्लादेशियों की घुसपैठ पर लगाम लगाई।

नवीन ने मोरीगांव जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दिल्ली में एक कार्यक्रम में उन्हें भेंट किए जाने पर असमी संस्कृति के प्रतीक पारंपरिक 'गमोसा' को नहीं पहना, जिससे राज्य के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंची। उन्होंने आरोप लगाया, ''लेकिन वह (गांधी) नियमित रूप से मस्जिदों में जाते हैं और खुशी-खुशी नमाजी टोपी पहनते हैं।''

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कांग्रेस पर घुसपैठियों का समर्थन करने का आरोप लगाया।

नवीन ने कहा, ''उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों को 'चिकन नेक' (सिलीगुड़ी गलियारे) के रास्ते देश में प्रवेश करने दिया। यह राज्य की भाजपा सरकार है जो इस चलन को उलट रही है और अवैध प्रवासियों को बाहर का रास्ता दिखा रही है।''

'चिकन नेक' को आधिकारिक तौर पर सिलीगुड़ी गलियारे के नाम से जाना जाता है। यह उत्तरी बंगाल में लगभग 20-22 किलोमीटर चौड़ा और लगभग 60 किलोमीटर लंबा एक संकरा भूभाग है जो उत्तर-पूर्वी राज्यों से शेष भारत से जोड़ता है। सुरक्षा और रणनीतिक दोनों ही दृष्टिकोणों से इसे एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील इलाका माना जाता है।

नवीन ने यह भी दावा किया कि भाजपा के 10 साल के शासनकाल में असम में बड़े पैमाने पर विकास हुआ।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''लोगों को उससे पहले की स्थिति को याद रखना चाहिए। उग्रवाद, हिंसा, निवेशकों का पलायन और युवाओं के टूटे सपने चर्चा का मुख्य विषय थे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे दिन दोबारा न लौटें।''

मोदी शबरिमला मामले पर मौन, उन्हें धर्म की परवाह नहीं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पत्तनमथिट्टा (केरल)/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए सोमवार को आरोप लगाया कि वह केरल दौरे के दौरान शबरिमला मुद्दे पर चुप रहे, जो साफ संकेत है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) साथ काम कर रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने अडूर में कांग्रेस की एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि नौ अप्रैल को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और भाजपा के गठजोड़ से मुकाबला करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, हम एलडीएफ के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, जिसे भाजपा का पूरा समर्थन प्राप्त है। एक तरफ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) है और दूसरी तरफ माकपा-भाजपा का गठजोड़ है।

गांधी ने कहा कि कई साल पहले एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने कहा था कि बाजार में एक छिपी हुई ताकत है, और वह अर्थशास्त्र के बारे में एक महत्वपूर्ण बात कह रहे थे। उन्होंने कहा, ''लेकिन केरल के चुनावों में भाजपा का अप्रत्यक्ष हाथ है।'' गांधी ने कहा कि भाजपा यहां यूडीएफ को नहीं चाहती क्योंकि वे जानते हैं कि देश में उसे चुनौती देने वाली एकमात्र ताकत कांग्रेस है। उन्होंने कहा, ''भाजपा समझती है कि वाम नीत एलडीएफ राष्ट्रीय स्तर पर उसे कभी चुनौती नहीं दे सकता। वह यह भी जानती है कि अगर वह दिल्ली में सत्ता में हैं, तो केरल में कोई भी एलडीएफ सरकार पूरी तरह से उसके नियंत्रण में होगी।''

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जो लोग भाजपा का विरोध करते हैं, उन पर भाजपा द्वारा हमला किया जाता है और उन्हें धमकाया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, मेरे खिलाफ 36 मामले दर्ज किए गए हैं और मुझसे लगातार 55 घंटे तक पूछताछ की गई है। लेकिन केरल के मुख्यमंत्री या एलडीएफ नेताओं के खिलाफ ऐसी कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांधी ने कहा, ''सब जानते हैं कि एलडीएफ नेतृत्व भ्रष्ट है। उनके खिलाफ मामले चल रहे हैं, लेकिन भाजपा की ओर से उन पर कोई दबाव नहीं है। न कोई पूछताछ हो रही है, न कोई धमकी दी जा रही है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, मंदिरों और धर्म के बारे में बात करते हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ''लेकिन वह पलक्कड़ यात्रा के दौरान शबरिमला में हुई घटना को भूल गए।'' उन्होंने कहा, ''वह भूल गए हैं कि वाम मोर्चा के नेताओं ने अयप्पा मंदिर से चोरी की थी। वह भूल गए हैं कि वाम मोर्चा के नेताओं ने अयप्पा मंदिर का सोना चुराकर उसकी जगह पीतल रख दिया था।''

मनरेगा खत्म कर दिया लेकिन 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' का कहीं पता नहीं : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को तो खत्म कर दिया लेकिन उसके द्वारा लाए गए नए कानून 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' का कहीं अता-पता नहीं है।

विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम को पिछले साल संसद से पारित किया गया था।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मनरेगा पर ताला तो लगा दिया, पर अब तक विकसित भारत-ग्राम जी राम जी लागू नहीं की। पिछले 87 दिनों से बिहार के मुजफ्फरपुर में 12,000 मजदूर मनरेगा में काम न मिलने से आंदोलित हैं। इसी तरह उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र व देश के कई राज्यों से

मनरेगा मजदूरों की काम बंदी की ख़बरें आ रहीं हैं।''

उनका कहना था, ''भाजपा ने मनरेगा को ख़त्म कर करोड़ों मजदूरों के ''काम के अधिकार'' पर कुल्हाड़ी तो चला दी, और जिस योजना का इतना ढिंढ़ोरा पीटा गया, उसका कोई अता-पता नहीं है। मनरेगा को कमज़ोर करने में भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी थी।''

उनके मुताबिक, महाराष्ट्र की एक ताज़ा कैग रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य में मनरेगा के तहत स्वीकृत कार्यों में से 53 प्रतिशत से भी कम कार्य पिछले 5 वर्षों में पूरे हुए हैं। 2.5 लाख ऐसे काम हैं जो 5 वर्षों में शुरू ही नहीं हो पाए।''

खरगे ने दावा किया कि अब एलपीजी किल्लत और उद्योगों की बदहाली के कारण शहरों से प्रवासी मजदूर पलायन कर के अपने गांवों जाने को मजबूर हैं लेकिन गांव में उनके लिए काम ही नहीं है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''प्रधानमंत्री जी कोरोना काल की याद तो दिलाते हैं पर भूल गए हैं कि किस तरह से मनरेगा ने करोड़ों मजदूरों को कोरोना काल में राहत पहुंचाई थी।''

सीतापुर में अवैध रूप से निर्मित मस्जिद प्रशासन ने ध्वस्त की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीतापुर/भाषा। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के लहरपुर क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध रूप से निर्मित 12 साल पुरानी एक मस्जिद को प्रशासन ने बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया है। अधिकारियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी।

अपर जिलाधिकारी (एडीएम) नीतीश कुमार सोमवार तड़के अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन के अनुसार, यह मस्जिद तालाब की जमीन पर अवैध रूप से बनाई गई थी।

प्रशासन ने बताया कि नयागांव बेहटी स्थित इस मस्जिद के खिलाफ ग्राम सभा की शिकायत पर तहसील अदालत ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर एडीएम, एएसपी और एसएचओ सहित लगभग 500 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

अधिकारियों के मुताबिक इस मस्जिद को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। ग्राम सभा का दावा था कि निर्माण तालाब और कब्रिस्तान की जमीन पर किया गया है। इस संबंध में 18 दिसंबर 2025 को अदालत में मुकदमा दायर किया गया था। छह जनवरी 2026 को अदालत ने मस्जिद को अवैध घोषित करते हुए संबंधित पक्ष को बेदखल करने का आदेश दिया और आवश्यक सामान हटाने के लिए 15 दिन का समय दिया था।

समयसीमा समाप्त होने के बाद प्रशासन ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। प्रशासन का कहना है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत नोटिस जारी किया गया था, लेकिन निर्माण नहीं हटाया गया।

देश को लूटने के लिए समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा पैदा कर रही भाजपा : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्दा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर समाज के सभी वर्गों के बीच झगड़ा कराने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह इस स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है।

मुख्यमंत्री ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए तृणमूल सरकार के खिलाफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के सियासी 'आरोपपत्र' पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, पहला आरोपपत्र उनके (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह) खिलाफ दाखिल किया जाना चाहिए, जिन्होंने दंगे भड़काकर सत्ता हासिल की। उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, भाजपा समाज के सभी वर्गों में झगड़ा करा रही है। वह ऐसी स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने भाजपा पर प्रशासनिक व पुलिस सेवाओं तक सभी मामलों में हिंदू और मुसलमानों को बांटने का प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सिविल सेवा के सदस्यों और उत्कृष्ट कार्य करने वालों समेत कई सरकारी अधिकारियों का अपमान किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि कई वरिष्ठ अधिकारियों को निर्वाचन आयोग की मांग पर भाजपा के दबाव में दूसरे चुनावी राज्यों में मनमाने ढंग से स्थानांतरित किया गया है।

बनर्जी ने कहा कि यह सब उच्चस्तर के राजनीतिक हस्तक्षेप के कारण हुआ है। उन्होंने कहा, हम सभी धर्मों का सम्मान करते हैं, लेकिन भाजपा पाखंडी है। वह किसी भी धर्म से प्रेम नहीं करती। जिस तरह से वे देश चला रहे हैं, मुझे लगता है कि उन्हें एक-दो महीने में दिल्ली छोड़नी पड़ेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि 2016 की नोटबंदी के दौरान कतारों में इंतजार करते हुए लगभग 200 लोगों की मौत हुई थी।

बनर्जी ने यह भी दावा किया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में मुसलमानों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए। उन्होंने आरोप लगाया, हिंदू और आदिवासी भी इससे नहीं बच पाए।

टीएमसी प्रमुख ने दोहराया कि उनकी पार्टी उन लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करेगी, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

डिजाइन, 'सिक्स सिग्मा' गुणवत्ता मानक पूरे नहीं होने पर ईसीएमएस के तहत भुगतान रोकेंगे : वैष्णव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

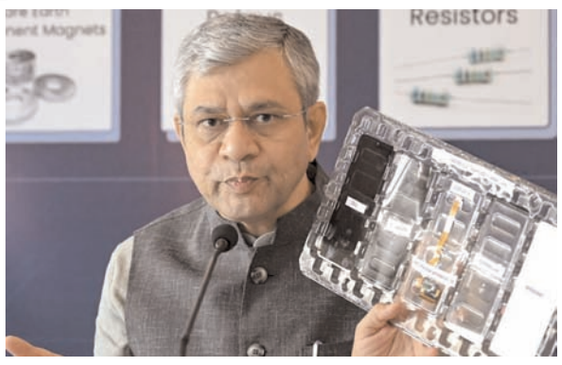

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि यदि लाभार्थी उत्पाद डिजाइन प्रौद्योगिकी में निवेश नहीं करते और 'सिक्स सिग्मा' मानकों को पूरा नहीं करते हैं तो सरकार इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जा विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) के तहत भुगतान रोक सकती है।

ईसीएमएस के तहत 7,104 करोड़ रुपए के नए निवेश से जुड़े 29 प्रस्तावों को मंजूरी देने के बाद मंत्री ने आगाह किया कि जो लाभार्थी उत्पाद डिजाइन प्रौद्योगिकी में निवेश नहीं करेंगे, उन्हें योजना से बाहर किया जा सकता है।

वैष्णव ने कहा, '' यदि उद्योग की ओर से अपेक्षित प्रयास नहीं किए जाते हैं तो मैं आगे किसी भी भुगतान या नई मंजूरी को रोकने के लिए तैयार हूं।''

मंत्री ने उच्च गुणवत्ता एवं आत्मनिर्भर इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा निर्धारित एकीकृत दृष्टिकोण का पालन नहीं करने पर उद्योग संगठन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) और उसकी सदस्य कंपनियों की आलोचना भी की। उन्होंने कहा, '' समय के साथ जो कंपनियां डिजाइन में निवेश नहीं करेंगी, उन्हें बाहर कर दिया जाएगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि उन्हें बाहर किया जाए। मैं यह बहुत स्पष्ट रूप से कह रहा हूं क्योंकि यह हमारे देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और हम हमेशा 'राष्ट्र प्रथम' में विश्वास करते हैं।''

वामपंथी उग्रवाद की समस्या विश्वास जीतने से हल होगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। तृणमूल कांग्रेस ने देश से नक्सलवाद समाप्त होने के सरकार के दावे पर सोमवार को कहा कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या 'भूभाग' (टेरेन) जीतने से नहीं, बल्कि प्रभावित लोगों का विश्वास (ट्रस्ट) जीतने से हल होगी।

तृणमूल सांसद महुआ मोइत्रा ने लोकसभा में नियम 193 के तहत भारत को वामपंथी उग्रवाद से मुक्त करने के मुद्दे पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि बड़ी विडंबना है कि पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान ऊर्जा संकट से निपटने की योजना बताने के बजाय सरकार अचानक वामपंथी उग्रवाद पर चर्चा करा रही है। उन्होंने कहा, ''यह चर्चा इसलिए कराई जा रही कि सरकार और गृह मंत्री अपनी पीठ थपथपाना चाहते हैं।'' मोइत्रा ने कहा कि पश्चिम बंगाल के नक्सलवाड़ी से शुरू हुई माओवादी हिंसा की विचारधारा रातोंरात नहीं पनपी, बल्कि इसके मूल में सामाजिक-आर्थिक कारण, राजनीतिक कारण, आदिवासियों के प्राकृतिक संसाधन छिनना और उनकी अनदेखी होना है। उन्होंने कहा कि इसे कानून व्यवस्था की समस्या की तरह नहीं सुलझाया जा सकता। मोइत्रा ने कहा कि आज भाजपा दावा कर रही है कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या को सुलझा लिया गया है, लेकिन यह इतना आसान नहीं है। उन्होंने कहा, ''अगर सरकार दावा कर रही है कि वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र इस समस्या से मुक्त हो रहे हैं तो आज भी बस्तर में इतनी बड़ी संख्या में सैन्य शिविर क्यों हैं।'' मोइत्रा ने कहा, ''हमें वास्तव में इस समस्या को समाप्त करने के लिए विश्वास जीतना होगा। भूभाग जीतने से समाधान नहीं निकलेगा।''

चर्चा में भाग लेते हुए राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अभय कुमार सिन्हा ने दावा किया कि नक्सल प्रभावित और आदिवासी क्षेत्रों में विकास के लिए स्थानीय जरूरतों और कमी का आकलन नहीं किया जाता तथा जन प्रतिनिधियों से कोई सुझाव नहीं लिया जाता।□

राजस्थान रॉयल्स से जुड़ने के बाद मेरा लक्ष्य पावरप्ले का फायदा उठाने का था : सूर्यवंशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बीते सत्र में ऐतिहासिक पदार्पण के बाद राजस्थान रॉयल्स के उभरते हुए प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का मौजूदा सत्र में लक्ष्य गेंदबाजों पर हावी होकर पावरप्ले में दबदबा कायम करना है।

इस 15 साल के बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज ने पिछले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाए थे। इसमें 35 गेंदों में जड़ा गया तूफानी शतक और 200 से अधिक का स्ट्राइक रेट शामिल था। इस तरह के आंकड़ों ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का बड़ा सितारा बना दिया।

सूर्यवंशी का मानना है कि पावरप्ले में आक्रामक शुरुआत करने के बाद अब उनका लक्ष्य अपने विकेट की कीमत समझते हुए टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाना है, ताकि विरोधी टीम के लिए लक्ष्य का पीछा करना मुश्किल हो जाए। उन्होंने 'जियोस्टार' से कहा, जब मेरा चयन हुआ, तो मेरा एकमात्र लक्ष्य टीम को अच्छी शुरुआत देना था। मैं पावरप्ले में अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहता था और अगर अच्छी शुरुआत मिलती, तो विकेट बचाते हुए लंबी पारी खेलना चाहता था। उन्होंने कहा, मुझे पता था कि अगर मैं अपने शॉट्स सही से खेलता रहूं, तो मैच का रुख पलट सकता है क्योंकि 200 से अधिक रन का पीछा करना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होता। इस सत्र में हमारा लक्ष्य ट्रॉफी जीतना है। अगर हम ट्रॉफी जीतते हैं तो मेरा और टीम का प्रदर्शन अपने आप चर्चा में आ जाएगा और यही सबसे अहम है।

आईपीएल में सबसे कम उम्र में पदार्पण करने वाले खिलाड़ी सूर्यवंशी ने इसी साल अंडर-19 विश्व कप फाइनल में 175 रनों की धमाकेदार पारी भी खेली थी।

सूर्यवंशी ने यह भी बताया कि बचपन में जिन दो खिलाड़ियों से वह सबसे ज्यादा प्रेरित हुए, वे वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा और भारत के विश्व कप विजेता स्टार युवराज सिंह हैं। लारा अपनी मैच जिताऊ टेस्ट पारियों के लिए मशहूर रहे, वहीं युवराज सिंह अपने बेखौफ शॉट्स से गेंदबाज़ों की धज्जियां उड़ाने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कहा, मैंने ब्रायन लारा और युवराज सिंह, दोनों को अकेले दम पर मैच खत्म करते देखा है। अगर वे क्रीज पर टिक जाते थे तो विरोधी टीम के लिए वापसी का कोई मौका नहीं होता था। मुझे उनकी यही बात सबसे ज्यादा पसंद आई।

रोहित 2.0 अपना दबदबा बनाने के लिए तैयार : कुंबले

मुंबई/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले आईपीएल के इस सत्र के पहले मैच में रोहित शर्मा के प्रदर्शन से काफी प्रभावित हैं और उनका मानना है कि रोहित का '2.0 अवतार' पूरे टूर्नामेंट में विरोधी टीमों के लिए चिंता का सबब रहेगा ।

38 वर्ष के रोहित ने 38 गेंद में 78 रन बनाये जिसकी मदद से मुंबई इंडियंस ने रविवार को आईपीएल के पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स को छह विकेट से हराया ।

कुंबले ने 'स्टार स्पोर्टस' से कहा ,'' लगता है कि रोहित शर्मा अपने 2 . 0 अवतार में आ गए हैं । उनकी पारी से साबित हो गया है कि वह फिर से अपना दबदबा बनाने को तैयार हैं । जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे थे, मुझे उनके कैरियर के शीर्ष दिनों की याद आ गई।'' उन्होंने कहा ,'' वरूण चक्रवर्ती, सुनील नारायण और ब्लेसिंग मुजरबानी जैसे गेंदबाजों को छक्के लगाना आसान नहीं है लेकिन उसने इसे आसान बना दिया । उसने अपनी फिटनेस पर काफी काम किया है और ब्रेक के बाद लौटने पर लय और टाइमिंग हासिल करने में पांच से सात दिन लगते हैं ।''

कुंबले ने कहा ,'' वह शानदार पारी थी । छक्के आसानी से लग रहे थे । इस पारी ने साबित कर दिया कि रोहित का यह अवतार आईपीएल की बाकी टीमों के लिए चिंता का सबब होगा ।''

सुविचार

मातृभाषा का सम्मान करना अपनी जड़ों से जुड़ने जैसा है। जो अपनी भाषा और संस्कृति भूल जाता है, वह अपनी पहचान खो देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाखंड का खेल कब तक?

महाराष्ट्र में कई महिलाओं से दुष्कर्म के आरोप में गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में भेजे गए एक ढोंगी बाबा के कारनामे जानकर हैरानी होती है। देश में ये कैसे कपटधंधे चल रहे हैं? एक शख्स आस्था के नाम पर वर्षों से जघन्य अपराध करता रहा और लोग उसके चरण छूते रहे! मामले की गंभीरता इस बात से समझी जा सकती है कि विशेष जांच दल (एसआईटी) को फोन पर 100 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं। हमारे देश में साधु-संतों का बहुत आदर किया जाता है। धर्म और ज्योतिष के ज्ञाता बहुत सम्मान पाते हैं। लोग उनसे मार्गदर्शन लेते हैं। यह अच्छी बात है। समस्या तब पैदा होती है, जब कोई व्यक्ति थोड़ी-सी सफलता मिलते ही खुद को सर्वशक्तिमान समझने लगता है। वह खुद को नियम और नैतिकता से ऊपर मान लेता है। वह मनमानी करने लगता है और देर-सबेर अपयश एवं दंड का भागी बनता है। इसमें कुछ दोष लोगों का भी होता है। वे ईश्वर से ज्यादा ऐसे पाखंडियों पर विश्वास करने लगते हैं। वे अपने कर्म और परिश्रम को एक ओर रखकर इन लोगों की स्तुति को ही भक्ति समझने लगते हैं। राजस्थानी में बहुत मशहूर कहावत है- 'पाणी पीओ छाण, गुरु बणाओ जाण' अर्थात पानी पीना हो तो उसे पहले छानें, ताकि वह स्वच्छ हो जाए और किसी को गुरु बनाना हो तो उसे पहले जानें, परखें। यदि उसमें उचित गुण पाएं तो ही उसे गुरु स्वीकार करें। जो बड़े-बड़े चमत्कार दिखाने का दावा करे, खुद की शक्तियों का बखान करता फिरे, अपने दम पर कुछ भी कर दिखाने की डींगें हांकता रहे, अनैतिक गतिविधियों में लिप्त रहे और ज्यादा से ज्यादा धन इकट्ठा करने में रुचि ले, उससे दूर रहने में कल्याण है। दुर्भाग्य से, ऐसे पाखंडी व्यक्ति आम जनता को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल हो जाते हैं।

लोग उनके जाल में फंसकर बहुत कुछ गंवाते हैं। उनकी आंखें तब खुलती हैं, जब काफी देर हो जाती है। हाल में उत्तर प्रदेश में एक ऐसे ढोंगी शख्स को गिरफ्तार किया गया, जो धनवर्षा कराने का झांसा देता था। उसने कई लोगों से यह कहकर लाखों रुपए ठगे थे कि इससे दुगुनी राशि की वर्षा करा दूंगा। जब लोगों ने उससे रुपए मांगे तो उन्हें भस्म करने की धमकी दी। एक शख्स खुद को कई सिद्धियों का स्वामी बताकर लोगों की समस्याएं दूर करने का दावा करता था। एक दंपति, जो अपनी आर्थिक समस्याओं से बहुत परेशान था, ने उससे संपर्क किया। उस व्यक्ति ने विशेष पूजा के नाम पर हजारों रुपए लिए और गायब हो गया। राजस्थान में एक व्यक्ति अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर ऐसे ही दावे करता था। एक महिला ने उससे संपर्क किया। उस व्यक्ति ने सोना-चांदी के सारे जेवरात लाने के लिए कहा। महिला ने जेवरात उसके सामने रख दिए। फिर, उसने प्रसाद के नाम पर कोई नशीली चीज खिलाई और सारा माल लेकर भाग गया। झारखंड में एक व्यक्ति ने भूत-प्रेत का साया दूर करने के नाम पर कई लोगों को लाखों का चूना लगा दिया। इसी तरह, पश्चिम बंगाल में एक व्यक्ति पहले तो कुंडली दोष का भय दिखाता, उसके बाद दोष निवारण के नाम पर रुपए वसूलता था। एक बार उसका सामना ज्योतिष के किसी विद्वान से हुआ। लोगों को यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उस व्यक्ति को ज्योतिष का कोई ज्ञान नहीं था। उसने चार-पांच बातें रट रखी थीं और उन्हें ही थोड़ा-बहुत बदल कर लोगों को अपने जाल में फंसा लेता था। इससे वह हर महीने अच्छी-खासी कमाई करता था। जब तक लोग ईश्वर और अपने परिश्रम के बजाय ऐसे पाखंडियों पर विश्वास करते रहेंगे, इनका धंधा चलता रहेगा। भलाई इसी में है कि लोग इनके झांसे में बिल्कुल न आएं और अपने काम पर ध्यान दें।

ट्वीटर टॉक

आज दिल्ली स्थित निवास पर गोवा सरकार में मंत्री श्री रमेश तावड़कर जी ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर समसामयिक राजनीतिक, सामाजिक एवं जनहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत और सार्थक चर्चा हुई।

-अर्जुनराम मेघवाल

भाजपा राजस्थान कार्यसमिति सदस्य एवं पूर्व प्रदेश मंत्री श्रीमती सरोज प्रजापत जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति दें।

-दिया कुमारी

भगवान महावीर स्वामी जी की जयंती के पावन अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ। जैन धर्म के महान तीर्थंकर, प्रभु महावीर स्वामी ने सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, करुणा और क्षमा के माध्यम से मानवता को एक उच्च आदर्श मार्ग प्रदान किया है।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

रोटी और हक

एक राजा ने विद्वानों से अनेक विषयों पर चर्चा की। प्रसंगवश 'अधिकार की रोटी' की बात आ गई। राजा ने पूछा, 'स्वामीजी, अधिकार की रोटी क्या होती है?' ब्राह्मण ने उत्तर दिया, 'राजन, तुम्हारे नगर में एक स्थान पर एक बूढ़ी महिला रहती है। वही इसका सही उत्तर दे सकती है।' वह एक झोपड़ी में बैठी चरखे पर सूत कात रही थी। राजा बोला, 'माई, अधिकार की रोटी क्या होती है? मैं आपसे इसका उत्तर जानने आया हूं।' बूढ़ी महिला ने कहा, 'मेरे पास एक रोटी है। उसमें आधी अधिकार की है और आधी बिना अधिकार की।' राजा ने आश्चर्य से पूछा, 'यह आप क्या कह रही हैं?' बूढ़ी महिला बोली, 'एक दिन मैं यहीं बैठी सूत कात रही थी। कातते-कातते शाम हो गई और अंधेरा छा गया। तभी यहां से एक जुलूस गुजरा, जिसमें मशालें जल रही थीं। मैंने अपना दीपक नहीं जलाया और उन्हीं मशालों की रोशनी में कुछ देर और सूत कातती रही। आधा सूत मैं पहले ही कात चुकी थी। बाद में उस सूत को बेचकर आटा खरीदा और रोटी बनाई। इस प्रकार आधी रोटी मेरे अधिकार की है, और आधी पर मेरा अधिकार नहीं है, क्योंकि वह दूसरों की रोशनी में काती गई थी।'

सामयिक

युगों-युगों तक मार्गदर्शन करती रहेगी भगवान महावीर की वाणी

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है।

'अहिंसा परमो धर्मः' का अमर संदेश देने वाले भगवान महावीर का जीवन और दर्शन आज के अशांत, तनावग्रस्त और संघर्षपूर्ण समय में पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। आधुनिक युग में मनुष्य प्रगति की अंधी दौड़ में नैतिक मूल्यों से दूर होता जा रहा है। स्वार्थ, लोभ और प्रतिस्पर्धा ने उसे इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि वह अपने हित के लिए हिंसा और अनैतिकता को भी उचित ठहराने लगा है। ऐसे समय में महावीर स्वामी का अहिंसा, संयम और करुणा पर आधारित दर्शन मानवता को एक नई दिशा देता है और उसे आत्ममंथन के लिए प्रेरित करता है।

भगवान महावीर ने अपने जीवन के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि प्रत्येक जीव समान है और हर प्राणी में आत्मा का वास है। उन्होंने जीओ और जीने दो' का जो सिद्धांत दिया, वह केवल एक नैतिक उपदेश नहीं बल्कि संपूर्ण जीवन दर्शन है। यह हमें सिखाता है कि हम अपने व्यवहार और आचरण में ऐसी संवेदनशीलता विकसित करें, जिससे किसी भी प्राणी को कष्ट न पहुंचे। उनका यह विचार कि पेड़-पौधे, जल, वायु और अग्नि तक में जीवन है, आज के पर्यावरणीय संकट के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। जब पृथ्वी प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब महावीर का यह संदेश हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने का आह्वान करता है।

महावीर स्वामी ने कर्म के सिद्धांत को भी अत्यंत स्पष्टता से समझाया। उनका मानना था कि मनुष्य स्वयं अपने कर्मों के लिए जिम्मेदार है और वही उसके भविष्य का निर्धारण करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों से बच नहीं सकता। जो जैसा करता है, वैसा ही फल प्राप्त करता है। यह सिद्धांत न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मनुष्य को उत्तरदायित्व और सजगता का बोध कराता है।

उन्होंने यह भी सिखाया कि धर्म बाहरी आडंबरों में नहीं बल्कि आत्मा की पवित्रता में निहित है। अहिंसा, सत्य, संयम और तप ही धर्म के वास्तविक लक्षण हैं। क्रोध, मान, माया और लोभ जैसे दोष मनुष्य के सभी गुणों का नाश कर देते हैं। इसलिए जो व्यक्ति अपने जीवन में शांति और संतुलन चाहता है, उसे इन विकारों का त्याग करना चाहिए। महावीर का यह संदेश आज के तनावपूर्ण जीवन में अत्यंत उपयोगी है, जहां मानसिक अशांति और असंतुलन तेजी से बढ़ रहा है।

महावीर स्वामी ने समानता और मानवता का भी अद्वितीय संदेश दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि जन्म से नहीं बल्कि कर्म से व्यक्ति महान बनता है। यदि कोई उच्च कुल में जन्म लेकर भी बुरे कर्म करता है तो वह श्रेष्ठ नहीं हो सकता जबकि निम्न कुल में जन्म लेने वाला व्यक्ति यदि सदाचार और सद्विचार अपनाता है तो वह सम्मान का अधिकारी है। यह विचार सामाजिक समरसता और समानता की नींव को मजबूत करता है। उनकी दृष्टि में सेवा भी सर्वोच्च धर्म है। रोगियों और जरूरतमंदों की सेवा को उन्होंने ईश्वर की सेवा से भी बढ़कर बताया। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि स्त्री और पुरुष दोनों समान रूप से मुक्ति के अधिकारी हैं, जो उनके प्रगतिशील और समतामूलक विचारों को दर्शाता है।

आज जब समाज हिंसा, असहिष्णुता और नैतिक पतन की चुनौतियों से जूझ रहा है, तब भगवान महावीर की अमृतवाणी हमें आत्मशुद्धि, सह-अस्तित्व और शांति का मार्ग दिखाती है। यदि हम उनके सिद्धांतों को अपने जीवन में आत्मसात कर लें तो न केवल व्यक्तिगत जीवन में संतुलन और शांति स्थापित हो सकती है बल्कि समाज में भी सद्भाव, करुणा और अहिंसा की स्थापना संभव है। यही महावीर स्वामी के संदेश की वास्तविक सार्थकता है, जो युगों-युगों तक मानवता का मार्गदर्शन करती रहेगी।

विशेष

महावीर स्वामी : मानवता के सच्चे मार्गदर्शक

महेन्द्र तिवारी

महावीर जयंती भारत के प्रमुख धार्मिक और आध्यात्मिक पर्वों में से एक है, जो जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जाती है। यह केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों, नैतिकता और आध्यात्मिक जागरूकता का संदेश देने वाला पर्व है। इस दिन न केवल जैन समुदाय, बल्कि सभी धर्मों के लोग भगवान महावीर के उपदेशों को याद करते हैं और उन्हें अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेते हैं। महावीर जयंती हमें यह सिखाती है कि सच्चा धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि वह हमारे व्यवहार, सोच और जीवन शैली में झलकना चाहिए।

भगवान महावीर का जन्म लगभग 599 ईसा पूर्व वैशाली के समीप कुंडलपुर में एक क्षत्रिय परिवार में हुआ था। उनका बचपन का नाम वर्धमान था। बचपन से ही उनमें असाधारण साहस, करुणा और संवेदनशीलता थी। वे राजसी वैभव में पले-बढ़े, लेकिन उनका मन सांसारिक सुखों में नहीं लगा। तीस वर्ष की आयु में उन्होंने राज-पाट, परिवार और सभी सुख-सुविधाओं का त्याग कर सन्यास धारण कर लिया और सत्य की खोज में निकल पड़े। यह त्याग ही उनके महान व्यक्तित्व की पहली झलक थी, जिसने उन्हें साधारण मनुष्य से महान आत्मा बना दिया। महावीर स्वामी ने लगभग बारह वर्षों तक कठोर तपस्या और साधना की। इस दौरान उन्होंने अनेक कष्टों को सहन किया, लेकिन कभी विचलित नहीं हुए। अंततः उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई, जिसे कैवल्य ज्ञान' कहा जाता है। इसके बाद उन्होंने अपने अनुभवों और ज्ञान को समाज के सामने प्रस्तुत किया और लोगों को सच्चे जीवन का मार्ग दिखाया। उन्होंने कभी स्वयं को भगवान नहीं कहा, बल्कि यह बताया कि हर व्यक्ति अपने प्रयासों से आत्मज्ञान प्राप्त कर सकता है। यह विचार उस समय के लिए अत्यंत क्रांतिकारी था और आज भी उतना ही प्रासंगिक है।

भगवान महावीर के उपदेशों का मूल आधार अहिंसा है। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव को कष्ट पहुँचाना सबसे बड़ा पाप है। उन्होंने न केवल शारीरिक हिंसा, बल्कि विचारों और शब्दों में भी अहिंसा का पालन करने की शिक्षा दी। उनके अनुसार, यदि हम किसी के प्रति बुरा सोचते हैं, तो वह भी एक प्रकार की हिंसा है। इसी के साथ उन्होंने सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का भी प्रचार किया। ये पाँच महाव्रत आज भी जैन धर्म की आधारशिला हैं और मानव जीवन को संतुलित और नैतिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

महावीर जयंती का पर्व इन शिक्षाओं को याद करने और उन्हें जीवन में उतारने का अवसर प्रदान करता है। इस दिन जैन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की जाती है, भगवान महावीर की प्रतिमाओं का अभिषेक किया जाता है और शोभा यात्राएँ निकाली जाती हैं। श्रद्धालु भक्ति गीत गाते हैं, प्रवचन सुनते हैं और दान-पुण्य के कार्य करते हैं। कई लोग इस दिन उपवास रखते हैं और आत्मचिंतन में समय बिताते हैं। यह सब केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं हैं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मविकास के साधन हैं।

महावीर जयंती का महत्व केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज के युग में, जब समाज में हिंसा, असहिष्णुता और स्वार्थ बढ़ते जा रहे हैं, महावीर के उपदेश हमें शांति और संतुलन का मार्ग दिखाते हैं। उनका जियो और जीने दो' का संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। यह हमें सिखाता है कि हमें न केवल अपने जीवन का सम्मान करना चाहिए, बल्कि दूसरों के जीवन का भी आदर करना चाहिए। इसके अलावा, महावीर स्वामी ने पर्यावरण संरक्षण का भी अप्रत्यक्ष रूप से संदेश दिया। जब वे कहते हैं कि हर जीव महत्वपूर्ण है, तो इसमें पेड़-पौधे, पशु-पक्षी और प्रकृति के सभी तत्व शामिल होते हैं। आज जब दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, उनके विचार हमें प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनने की प्रेरणा देते हैं। यदि हम उनके सिद्धांतों का पालन करें, तो न केवल समाज में शांति स्थापित हो सकती है, बल्कि प्रकृति का संतुलन भी बना रह सकता है।

महावीर जयंती हमें आत्मसंयम का भी महत्व सिखाती है। आज के भौतिकवादी युग में लोग अधिक से अधिक संपत्ति और सुख-सुविधाएँ प्राप्त करने की होड़ में लगे हैं। लेकिन महावीर स्वामी ने अपरिग्रह का संदेश देकर बताया कि आवश्यकता से अधिक संग्रह करना भी एक प्रकार का बंधन है। सच्चा सुख बाहरी वस्तुओं में नहीं, बल्कि भीतर की शांति और संतोष में होता है। यह विचार हमें जीवन को सरल और संतुलित बनाने की प्रेरणा देता है। इस पर्व का एक और महत्वपूर्ण पहलू है समानता और मानवता का संदेश। महावीर स्वामी ने जाति, वर्ग और लिंग के भेदभाव को नकारते हुए सभी को समान माना। उनके अनुसार, हर व्यक्ति में आत्मा समान है और सभी को सम्मान और अधिकार मिलना चाहिए। यह विचार आज भी समाज में समानता और न्याय स्थापित करने के लिए प्रेरणा देता है। अंततः, महावीर जयंती केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि एक जीवन-दर्शन है। यह हमें अपने भीतर झाँकने, अपने दोषों को पहचानने और उन्हें सुधारने का अवसर देती है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा धर्म बाहरी आडंबर में नहीं, बल्कि हमारे आचरण और विचारों में होता है। यदि हम भगवान महावीर के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाएँ, तो न केवल हमारा जीवन बेहतर हो सकता है, बल्कि समाज भी अधिक शांतिपूर्ण और मानवीय बन सकता है। इस प्रकार महावीर जयंती एक ऐसा पर्व है, जो हमें आध्यात्मिक ऊँचाइयों की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करता है और मानवता के सच्चे मार्ग पर चलने का संदेश देता है।

नजरिया

युद्ध के माहौल में याद आए भगवान महावीर

बाल मुकुंद ओझा

मोबाइल : 8949519406

भगवान महावीर जयंती का पर्व इस वर्ष 31 मार्च को देश में मनाया जा रहा है। आज देश और दुनिया में सर्वत्र युद्ध, हिंसा, मारकाट, धार्मिक असहिष्णुता तथा नफरत का माहौल व्याप्त हो रहा है। लोग एक दूसरे के खिलाफ लड़-मरने को तैयार है। रूस और उक्रेन का युद्ध अभी रुका ही नहीं है कि अमेरिका इजराइल-ईरान युद्ध ने समूची मानवता को लहूलुहान कर दिया है। युद्ध के इस साये में भगवान महावीर की जयंती पर उनकी प्रेरणादायी शिक्षा और सन्देश का याद आना स्वाभाविक है। भगवान महावीर के विचारों की प्रासंगिकता आज भी हमें नेकी के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भगवान महावीर की जयंती पर हमें उनके बुनियादी सिद्धांतों अहिंसा, अनेकांत, अपरिग्रह, की याद दिलाती है, जिनपर चलकर मानव जाति की इन समस्याओं को हल संभव है। महावीर ने जाति, समुदाय, धर्म, रंग या क्षेत्र के आधार पर असमानता को दूर करने के लिए अनेकांत (अनेकता में एकता) का सिद्धांत प्रतिपादित किया था। इस दिन हमें भगवान महावीर के विचारों का गहन मंथन कर आत्मसात करने की जरुरत है। वे महान समाज सुधारक थे। उनके बताये मार्ग पर चलकर हम अपने समाज को शांति और भलाई का रास्ता दिखा सकते है।

महावीर स्वामी का जन्म दिवस चैत्र की शुक्ल त्रयोदशी को मनाया जाता है। जैन समुदाय के लिए महावीर जयंती का विशेष महत्व होता है। महावीर स्वामी जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान श्रीआदिनाथ की परंपरा में चौबीसवें तीर्थंकर हैं। महावीर स्वामी ने अहिंसा परमो धर्म सूत्र दिया। महावीर जयंती जैन समुदाय द्वारा भगवान महावीर के जन्म की खुशी में उत्सव के रूप में मनाते हैं। पंचशील सिद्धान्त के प्रर्वतक और जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर महावीर अहिंसा के प्रमुख ध्वजवाहकों में से एक है। भगवान महावीर ने पूरे समाज को सत्य और अहिंसा का मार्ग दिखाया। जैन समुदाय इस पर्व को उत्सव के तौर पर मनाते हैं।

मगवान महावीर ने हमेशा से ही दुनिया को अहिंसा और अपरिग्रह का संदिश दिया है। मोक्ष पाने के बाद, भगवान महावीर ने पांच सिद्धांत लोगों को बताए जो समृद्ध जीवन और आंतरिक शांति की ओर ले जाने वाले बताये जाते हैं। ये पांच सिद्धांत इस प्रकार हैं, पहला अहिंसा, दूसरा सत्य, तीसरा अस्तेय, चौथा ब्रह्मचर्य और पांचवा व अंतिम सिद्धांत है अपरिग्रह। इसी तरह किंवदंती है कि महावीर जी के जन्म से पूर्व उनकी माता जी ने 16 स्वप्न देखे थे जिनके स्वप्न का अर्थ राजा सिद्धार्थ द्वारा बतलाया गया है। महावीर स्वामी अहिंसा के पुजारी थे उनका मानना था कि इस दुनिया में जितने भी जीव है उन पर कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए। भगवान महावीर का कहना है कि मनुष्य को कभी भी असत्य का मार्ग नहीं अपनाना चाहिए। मनुष्य को सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। महावीर स्वामी ने ब्रह्मचर्य के बारे में बताया है कि उत्तम तपस्या, ज्ञान, संयम और विनय ब्रह्मचर्य की जड़ है।

के सिद्धांतों का पालन करना जरूरी होता है। महावीर स्वामी सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा है। यही नहीं उनके हर भक्तों को अहिंसा के साथ, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक होता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद भगवान महावीर का जन्म हुआ था। अहिंसा परमो धमर्रू अर्थात अहिंसा सभी धर्मों से सर्वोपरि है।

जैन मान्यताओं के अनुसार उनका जन्म बिहार के कुंडलपुर के राज परिवार में हुआ था। भगवान महावीर का बचपन का नाम वर्धमान था। कहा जाता है कि इन्होंने 30 साल की उम्र में घर छोड़ दिया और दीक्षा लेने के बाद 12 साल तपस्या की। दीक्षा लेने के बाद महावीर 12 साल तक तपस्या की। भगवान महावीर के दर्शन के लिए भक्तों को उनके सिद्धांतों का पालन करना जरूरी होता है। महावीर स्वामी सबसे बड़ा सिद्धांत अहिंसा है। यही नहीं उनके हर भक्तों को अहिंसा के साथ, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह के पांच व्रतों का पालन करना आवश्यक होता है। जैन ग्रंथों के अनुसार, 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जी के निर्वाण प्राप्त करने के 188 वर्ष बाद भगवान महावीर का जन्म हुआ था। अहिंसा परमो धमर्रू अर्थात अहिंसा सभी धर्मों से सर्वोपरि है। यह संदेश उन्होंने पूरी दुनिया को दिया व संसार का मार्गदर्शन किया। पहले स्वयं अहिंसा का मार्ग अपनाया और फिर दूसरों को इसे अपनाने के लिये प्रेरित किया। जियो और जीने दो का मूल मंत्र इन्हीं की देन है। महावीर के सिद्धांत में समर्पण का भाव सबसे अहम था। उनका मानना था कि मांग कर, प्रार्थना करके या हाथ जोड़कर धर्म को हालिस नहीं किया जा सकता। महावीर मानते थे कि धर्म को खुद धारण करना चाहिए, इसे किसी से मांगकर हासिल नहीं किया जा सकता। धर्म जीतने से मिलता है, जिसके लिए संघर्ष करना पड़ता है। महावीर अहिंसा के पुजारी थे उनका मानना था कि इस दुनिया में जितने भी जीव है उन पर कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रचार

केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के बीच राहुल गांधी का यह अंदाज चर्चा का विषय बना हुआ है।

सोशल मीडिया मंचों ने डीपफेक हटाने की कार्रवाई को लगभग दो से तीन गुना बढ़ाया: वैष्णव

नयी दिल्ली/भाषा

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कृत्रिम मेधा (एआई) से तैयार किए जाने वाले 'डीपफेक' पर बढ़ती चिंताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया मंचों ने भी अपनी ओर से डीपफेक सामग्री को हटाने के प्रयासों को काफी तेज कर दिया है। सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना एवं प्रसारण मंत्री वैष्णव ने पत्रकारों से बातचीत में डीपफेक को समाज के लिए एक नया खतरा और अभिशाप बताया। डीपफेक वह प्रौद्योगिकी है जिसके जरिये किसी व्यक्ति की फोटो, आवाज या वीडियो को डिजिटल माध्यम से बदलकर बिल्कुल असली जैसा दिखने वाला फर्जी रूप दे दिया जाता है। मंत्री ने कहा, डीपफेक के रूप में बहुत सारी सामग्री आने लगी है। एआई की दुनिया में हुए बदलावों के कारण सोशल मीडिया पर भारी मात्रा में डीपफेक आ रहे हैं।

किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो : कंगना रनौत

मुंबई/एजेन्सी

संसद से लेकर सोशल मीडिया पर बेबाक राय रखने वाली भाजपा सांसद और एक्ट्रेस कंगना रनौत अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपने फैंस को मोटिवेट करते हुए अपने विचार शेयर किए। अभिनेत्री का कहना है कि दूसरों को प्रभावित करने में जिंदगी निकाल देना गलत है। कंगना हमेशा हर विषय पर खुलकर राय रखती हैं और यही बातें उन्हें दूसरों से अलग बनाती हैं। अभिनेत्री ने खुद को तवज्जो देने की बात कही और बताया कि लोग क्यों किसी को पसंद और नापसंद करते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, आज का विचार... लोग आपको इसलिए पसंद नहीं करते, क्योंकि आप दयालु, सफल या उदार हैं। वे आपको इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वे खुद दयालु, सफल और उदार हैं। किसी को प्रभावित करने की कोशिश मत करो। वे तभी प्रभावित होंगे जब वे खुद प्रभावशाली होंगे। अभिनेत्री ने आगे लिखा, दूर रहो क्योंकि अगर तुम बहुत ज्यादा कोशिश करोगे तो वे तुमसे नफरत करने लगेंगे। अपना समूह ढूंढो, वहां बसने की कोशिश मत करो,जहां तुम अस्थिर महसूस करते हो। उठो और चमको।

कंगना सिनेमा की वो अभिनेत्री हैं जिन्होंने बिना किसी गॉडफादर के सिनेमा में अपनी पहचान बनाई है और संसद तक का सफर पूरा किया है। उन्होंने किसी भी परिस्थिति में हार मानना नहीं सीखा है। राजनीति में आने से पहले उन्होंने सिनेमा में फैले नेपोटिज्म पर जमकर निशाना साधा था। उन्होंने निर्माताओं और निर्देशकों पर भी आरोप लगाए कि वे सिर्फ अपने करीबी दोस्तों के बच्चों को सिनेमा में लॉन्च करते हैं, जिन्हें एक्टिंग का 'ए' भी नहीं आता। उन्होंने आलिया भट्ट और अनन्या पांडे को निशाना बनाकर करण जौहर पर बहुत बार हमला बोला है। आज अभिनेत्री फिल्मों के साथ जनहित के मुद्दों पर बात करती है और मंडी के विकास और राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का प्रयास कर रही हैं। सांसद बनने के बाद अभिनेत्री लगातार खादी को प्रमोट कर रही हैं और संसद में अपनी ट्रेडिशनल साड़ियों के लिए जानी जाती हैं।

उत्साह

महावीर जयंती के अवसर पर भोपाल की सड़कों पर निकली भव्य शोभायात्रा। भक्ति और उत्साह का संगम।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ लगातार तीसरे दिन प्रदर्शन

काठमांडू/भाषा

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की गिरफ्तारी के खिलाफ प्रदर्शन सोमवार को लगातार तीसरे दिन भी जारी रहे। इस बीच, प्राधिकारियों ने धन शोधन को लेकर तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों के खिलाफ जांच तेज कर दी है। ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को पिछले साल सितंबर में 'जेन-जेड' समूह के नेतृत्व में हुए सरकार विरोधी प्रदर्शनों को दबाने में उनकी भूमिका के आरोप में गत शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया था। इन विरोध-प्रदर्शनों के दौरान लगभग दो दर्जन युवाओं समेत 76 लोग मारे गए थे।

बालेंद्र शाह के नेतृत्व में हाल ही में गठित नयी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में 'जेन-जेड' विरोध-प्रदर्शनों की जांच करने वाले आयोग की रिपोर्ट लागू करने का फैसला लिया था, जिसके बाद ओली और लेखक को गिरफ्तार कर लिया गया। ओली नीत कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी (सीपीएन-यूएमएल) और उसके सहयोगी संगठनों एवं छात्र इकाइयों के सैकड़ों कार्यकर्ता सोमवार सुबह नया बनेश्वर क्षेत्र में इकट्ठा हुए।

उन्होंने हाथों में तख्तियां थाम रखी थीं, जिन पर केपी ओली को तुरंत रिहा करो और बदले की राजनीति बंद करो जैसे नारे लिखे हुए थे। सोमवार को हुए विरोध-प्रदर्शन सीपीएन-यूएमएल की ओर से शनिवार और रविवार को किए गए प्रदर्शन के मुकाबले शांतिपूर्ण रहे। रविवार को दंगा पुलिस के साथ झड़प में सीपीएन-यूएमएल के एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ता घायल हो गए थे। इस बीच, नेपाल के धन शोधन जांच विभाग (डीएमएलआई) और पुलिस ने पूर्व मंत्री दीपक खड्का की गिरफ्तारी के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' के खिलाफ जांच तेज कर दी है। 'द काठमांडू पोस्ट' की खबर के मुताबिक, मामले की विस्तृत जांच शुरू करने से पहले विभाग ने लगभग छह महीने तक प्रारंभिक जांच की थी। ऊर्जा मंत्री रह चुके खड्का को धन शोधन से जुड़े एक मामले के सिलसिले में पिछले रविवार को गिरफ्तार किया गया था। उन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शिकायत के बाद सोमवार को महाराजगंज स्थित त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

खड्का पर ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान परियोजनाओं के लिए लाइसेंस एवं अनुबंध दिलाने में मदद के बदले वित्तीय लाभ हासिल करने का आरोप है। पिछले साल 'जेन जेड' के विरोध-प्रदर्शन के दौरान ऐसी तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे, जिनमें खड्का, देउबा और प्रचंड के आवास पर जले हुए नोट के टुकड़े दिख रहे थे। बाद में फॉरेंसिक जांच के जरिये इन तस्वीरों-वीडियो की प्रामाणिकता की पुष्टि हुई थी।

कुब्रा सैत की सलाह-सोशल मीडिया के दबाव में मत आइए

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने हाल ही में सोशल मीडिया पर दिखने वाले परफेक्ट बॉडी स्टैंडर्ड्स पर अपनी बात रखते हुए बताया है कि किस तरह से सोशल मिडीया का दखल व्यक्तिगत जीवन में बढ़ गया है। साथ ही इस पर कुब्रा ने लोगों को सलाह भी दी है कि इन चीजों के लिए सोशल मीडिया को दोष देने के बजाय खुद के अंदर झांकना चाहिए। इस विषय में कुब्रा कहती हैं, असली समस्या सोशल मीडिया नहीं, बल्कि हमारी अपनी असुरक्षाएं हैं। अगर इंसान का आत्मविश्वास मजबूत हो, तो बाहर की चीजें उसे ज्यादा प्रभावित नहीं कर सकती। इसके अलावा उन्होंने अपनी बात करते बताया कि वे खुद को फिट रखने पर ध्यान देती हैं, लेकिन किसी तरह के बदलाव का सहारा नहीं लेतीं। हालांकि, वह यह भी मानती हैं कि हर किसी की अपनी पसंद होती है और ऐसे में हर किसी को चाहिए कि वे दूसरों को जज न करें।कुब्रा कहती हैं, हर किसी की अपनी जर्नी होती है, अपनी पसंद होती है, इसलिए दूसरों को जज करने या उनसे खुद की तुलना करने की बजाय अपनी लाइफ और अपने सफर पर ध्यान दें। इन सबके अलावा अपने करियर के बारे में बात करते हुए कुब्रा ने यह भी बताया कि मेहनत और अनुशासन उनके लिए बहुत जरूरी रहे हैं। हालांकि मुंबई आना उनके लिए एक बड़ा टर्निंग पॉइंट था, जिससे उन्हें अपने सपनों को पूरा करने का मौका मिला। फिलहाल अपनी मेहनत और लगन से इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा कहती हैं कि उन्हें अपने काम से उम्मीद से ज्यादा मिला है और इसके लिए वह बेहद शुक्रगुजार हैं।

धीमी पड़ी 'धुरंधर-2' की रफ्तार, वीकेंड पर कम हुई कमाई

मुंबई/एजेन्सी

रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म 'धुरंधर 2' भारतीय बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई करने के बाद भी अपनी रफ्तार कम होने के नाम नहीं ले रही है। फिल्म पहले ही 'पठान', 'जवान', और 'बाहुबली' का रिकॉर्ड तोड़ चुकी है। फिल्म की ओपनिंग के बाद फिल्म ने दूसरे वीकेंड में भी शानदार प्रदर्शन किया लेकिन पहले हफ्ते की तुलना में दूसरे हफ्ते के कलेक्शन में कमी आई है। अब देखना यह होगा कि फिल्म अपने तीसरे हफ्ते कमाई को कितना बरकरार रख पाती है। आदित्य धर की कंपनी बी62 स्टूडियो ने फिल्म के आधिकारिक आंकड़े जारी किए हैं, जिसके मुताबिक फिल्म ने अब तक विश्व भर में 1365 करोड़ की कमाई कर ली है।

यह फिल्म का 11 दिन का कलेक्शन है। फिल्म ने दूसरे हफ्ते, यानी आठवें दिन, पहले हफ्ते की तुलना में कम कमाई की। फिल्म ने यहां पहले दो दिन 145 करोड़ का कलेक्शन किया। वहीं दूसरे दिन 53 करोड़ का कलेक्शन किया। नौवें दिन फिल्म ने 42 करोड़, दसवें दिन 64 करोड़, और 11वें दिन 71 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। फिल्म का कलेक्शन पहले हफ्ते की तुलना में काफी कम हो गया है। पहले हफ्ते के वीकेंड पर रविवार को फिल्म ने 117 करोड़ का कलेक्शन किया था लेकिन अब दूसरे वीकेंड के रविवार को फिल्म 71 करोड़ रुपये ही कमा पाई है। भले ही फिल्म के कलेक्शन में गिरावट आई है, लेकिन फिल्म अभी भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है।कुल 11 दिन की कमाई की बात करें तो धुरंधर-2 भारत में 1023 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन करने में कामयाब रही है, जबकि नेट कलेक्शन 867 करोड़ रुपए है। फिल्म की ओवरसीज कमाई 342 करोड़ रुपए है। कुल मिलाकर फिल्म ने अब तक विश्व भर में 1365 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया है। बता दें कि फिल्म का कलेक्शन ही सिनेमा पर राज नहीं कर रहा है, बल्कि फिल्म का हर किरदार और कहानी भी फैंस के दिलों पर राज कर रही है। फिल्म में रणवीर सिंह की जसकीरत सिंह रंगी से हमजा अली बनने की कहानी ने फैंस के दिलों को छू लिया। अर्जुन रामपाल की खूंखार एक्टिंग को भी खूब प्यार मिल रहा है और सिनेमा की हर बड़ी हस्ती सोशल मीडिया पर फिल्म की खूब तारीफ कर रही है।

मिडलाइफ गिरावट नहीं, बल्कि खुद को अपग्रेड करने का समय है : लीसा रे

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री लीसा रे अक्सर सोशल मीडिया के जरिए स्वास्थ्य और उम्र बढ़ने को लेकर अपने विचार रखती हैं। सोमवार को अभिनेत्री ने मिडलाइफ में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसके साथ उन्होंने बताया कि यह वीडियो साल 2026 की शुरुआत में बनाया था और अब वे मिडलाइफ एज महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़े एक प्लेटफॉर्म से जुड़ चुकी हैं। लीसा ने लिखा, बहुत सी महिलाएं मुझे फॉलो कर रही हैं। मिडलाइफ आपसे धीमा होने के लिए नहीं कहती। यह आपसे कहती है कि आप और आगे बढ़ो। उन्होंने लिखा, 'एचआरटी लेना चाहिए या नहीं?' यह सवाल नहीं है। असल सवाल ये है कि मैं इस नए अध्याय में स्वस्थ, ऊर्जावान और अपने सबसे बेहतरीन रूप में कैसे कदम रखूं? क्योंकि आपका ग्लो-अप किसी एक दवा से नहीं आता। यह स्वयं के नियंत्रण और जिम्मेदारी से आता है। उन्होंने बताया कि हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी मदद कर सकती है और कभी-कभी जीवन बदल भी सकती है, लेकिन मिडलाइफ सिर्फ एक गोली तक सीमित नहीं है। लिसा ने लिखा, यह वह समय है, जब आप अपने शरीर की सीईओ बन जाती हैं। कोई इंटर्न नहीं, कोई भ्रम नहीं और न ही अराजकता। लीसा रे ने महिलाओं को कुछ व्यावहारिक सलाह भी दी। उन्होंने लिखा, वेट ट्रेनिंग अब अनिवार्य है, प्रोटीन और नींद को प्राथमिकता दें। नर्वस सिस्टम की देखभाल रोज करें, न कि कभी-कभी।

उन्होंने इस बात पर जोर देते हुए लिखा कि अब महिलाएं अपनी सेहत का सिर्फ ध्यान न करें, बल्कि नेतृत्व करें। आराम, खुशी और ताकत के लिए किसी से

माफी न मांगें। खुद को छोटा न करें, बल्कि सही तरीके से खुद को आकार दें। अभिनेत्री ने लिखा, मिडलाइफ गिरावट की शुरुआत नहीं है। यह आपके ऑपरेटिंग सिस्टम को अपग्रेड करने का समय है। नया साल, नई ऊर्जा, और इस बार आप अपनी ताकत किसी और पर नहीं छोड़ रही हैं। पोस्ट के अंत में लीसा ने लिखा, स्वयं-नेतृत्व का युग शुरू हुआ है और यह आप पर बहुत अच्छा लग रहा है।

उद्घाटन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने नए प्रशासनिक और शैक्षणिक भवन का उद्घाटन किया। बिहार में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को मिलेगी मजबूती।

जब डाकू ने चाकू से अपने हाथ पर लिया मीना कुमारी का ऑटोग्राफ

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की दुनिया में कई सितारे ऐसे हैं, जो अपनी कला और किस्सों के चलते लोगों के बीच हमेशा बने रहते हैं। मीना कुमारी उन्हीं सितारों में से एक थीं। वह सिर्फ अपने दमदार अभिनय के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी के अनसुने और दिलचस्प किस्सों के लिए भी जानी जाती हैं। 31 मार्च को उनकी पुण्यतिथि के मौके पर हम उनके मध्य प्रदेश के बीहड़ इलाके से जुड़े एक किस्से के बारे में बताएंगे, जहां एक रात उनके साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसे सुनकर आज भी लोग हैरान रह जाते हैं। मीना कुमारी की जीवनी 'मीना कुमारी- ए क्लासिक बायोग्राफी' के मुताबिक, यह घटना उस समय की है जब मीना कुमारी अपने पति और फिल्म निर्माता कमाल अमरोही के साथ शूटिंग के सिलसिले में यात्रा कर रही थीं। बताया जाता है कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी इलाके से गुजरते समय उनकी कार का पेट्रोल अचानक खत्म हो गया। चारों तरफ सन्नाटा था, दूर-दूर तक कोई नहीं था और रात भी हो चुकी थी। ऐसे में उन्होंने वहीं रुककर सुबह होने का इंतजार करने का फैसला किया। लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह इलाका उस समय डाकुओं के लिए कुख्यात माना जाता था।

रात करीब दो बजे अचानक कुछ हथियारबंद लोग वहां पहुंचे और उन्होंने गाड़ियों को घेर लिया।

माहौल एकदम तनावपूर्ण हो गया। पहले तो सभी को लगा कि अब लूटपाट हो सकती है। लेकिन जैसे ही उन लोगों को यह पता चला कि गाड़ी में बैठी महिला मशहूर अभिनेत्री मीना कुमारी हैं, उनके तेवर बदल गए। डाकुओं का व्यवहार अचानक नरम हो गया और उन्होंने पूरी टीम के साथ सम्मानजनक बर्ताव करना शुरू कर दिया। बताया जाता है कि डाकुओं के सरदार ने मीना कुमारी और उनकी टीम को अपने ठिकाने पर ले जाकर उनके खाने-पीने और आराम का पूरा इंतजाम किया। रात का जो माहौल डर से भरा था, वह धीरे-धीरे एक अजीब सी मेहमाननवाजी में बदल गया। लेकिन इस कहानी का सबसे चौंकाने वाला मोड़ अभी बाकी था।

जब सुबह होने लगी और मीना कुमारी अपनी टीम के साथ वहां से निकलने लगीं, तभी उस डाकू सरदार ने उनके सामने एक अजीबोगरीब मांग रख दी। वह अपने हाथ में एक नुकीला चाकू लेकर आया और उसने कहा कि वह उनका बहुत बड़ा फैन है और चाकू से हाथ पर उनका ऑटोग्राफ चाहता है। यह सुनकर मीना कुमारी एक पल के लिए घबरा गईं। स्थिति बेहद असामान्य थी, लेकिन माहौल को देखते हुए उन्होंने हिम्मत दिखाई और जैसे-तैसे उस डाकू के हाथ पर चाकू से ऑटोग्राफ दे दिया। बाद में जब मीना कुमारी और उनकी टीम वहां से आगे बढ़ी और सुरक्षित जगह पहुंची, तब उन्हें पता चला कि वह व्यक्ति कोई साधारण डाकू नहीं, बल्कि उस समय का कुख्यात डाकू अमृत ङ्गङ्गलाल था। मीना कुमारी की जिंदगी ऐसे ही अनगिनत किस्सों से भरी रही।

संघर्ष

शिमला में बजट सत्र के दौरान विधानसभा की ओर बढ़ रहे पेंशनर्स को पुलिस ने रोका। हक के लिए संघर्ष जारी।

पवित सिंह नायर मेमोरियल टी20 क्रिकेट प्रतियोगिता सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां गुरु नानक महाविद्यालय के डिपार्टमेंट ऑफ़ फिजिकल एजुकेशन (शारीरिक शिक्षा विभाग) के द्वारा अखिल भारतीय अंतर-महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता पवित सिंह नायर मेमोरियल टी20 के 12वां संस्करण पुरुष और महिला वर्ग के साथ हुआ।

प्रतियोगिता का उद्घाटन गत सप्ताह गुरु नानक महाविद्यालय के क्रिकेट मैदान में हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि चेन्नई सुपर किंग्स के प्रसिद्ध खिलाड़ी कार्तिक शर्मा एवं प्रशांत वीर थे, जिन्होंने अपनी उपस्थिति एवं अनुभवजन्य वक्तव्य से युवा खिलाड़ियों को अभिप्रेरित किया। इसका आयोजन गुरु नानक महाविद्यालय के क्रिकेट मैदान तथा आसपास के चार अन्य क्रिकेट मैदानों पर किया गया था। इस आयोजन में संपूर्ण भारत वर्ष से विभिन्न महाविद्यालय ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसमें पुरुष वर्ग से 16 एवं महिला वर्ग से 12 टीमों ने अपनी सहभागिता दर्ज की।

इस अखिल भारतीय प्रतिस्पर्धा में कई आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये गए, जिसमें दोनों श्रेणियों के विजेताओं को 50,000 रुपये नकद तथा उपविजेताओं को 25,000 रुपये नकद के साथ-साथ व्यक्तिगत पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया। प्रत्येक मैच में मैन/वुमन ऑफ द मैच जैसे विशेष सम्मान दिए गए, और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज, सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर, सर्वश्रेष्ठ फील्डर, सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर, सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर और फाइनल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी जैसे खिताबों से सम्मानित किया गया। महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द सीरीज पुरस्कार हीरो स्कूटर द्वारा प्रायोजित किया गया।

गुरु नानक महाविद्यालय के क्रिकेट मैदान में आयोजित समापन समारोह में पुरस्कार एवं ट्राफियां वितरित की गईं।

इस कार्यक्रम में जारेन बैचर (जॉर्जिया सुपर किंग्स, दक्षिण अफ्रीका) मुख्य अतिथि के रूप में, तथा बाला मुरलीधरन (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, एचसीएल टेक) एवं थियागराजन (क्षेत्र प्रबंधक, हीरो मोटोकॉर्प) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट और करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा मेगा ओपन जॉब ड्राइव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां चंद्रप्रभु जैन कॉलेज द्वारा 28 मार्च को कॉलेज परिसर के भीतर एक 'मेगा ओपन जॉब ड्राइव' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्राचार्या डॉ. एन. सुजाता ने किया।

इस जॉब ड्राइव का मुख्य उद्देश्य अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों (2026 बैच) के साथ-साथ 2023, 2024 और 2025 बैच के स्नातकों को रोज़गार के अवसर प्रदान करना था। इस कार्यक्रम में छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया, और कुल 300 पंजीकरण हुए। इनमें से, भर्ती प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों से 30 एचआर प्रतिनिधि उपस्थित थे। आईटी, वित्त, मार्केटिंग, बीपीओ और हॉस्पिटैलिटी जैसे विविध क्षेत्रों की कई जानी-मानी कंपनियों ने इस भर्ती अभियान में भाग लिया। प्रमुख कम्पनियों में अशोक लेलैंड, टीवीएस ट्रेनिंग एंड सर्विस, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, राजलक्ष्मी कार प्रा. लि., ग्लोबल कन्सटिंग प्रा. लि. आदि शामिल रहे साथ ही कई अन्य संगठन भी मौजूद थे।

भर्ती प्रक्रिया में कुल 50 छात्रों का चयन हुआ और उन्हें अपने ऑफ़र लेटर सीधे प्रिंसिपल से प्राप्त हुए; यह एक अत्यंत गौरवपूर्ण और यादगार क्षण था। प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. वी कलैसेल्वम और सहायक एस वेंकट का विशेष आभार व्यक्त किया गया।

बेंगलूरु चातुर्मास के लिए विहार करते हुए केजीएफ पहुंचे समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

केजीएफ /बेंगलूरु। चेन्नई से चातुर्मास सम्पन्न कर बेंगलूरु में चातुर्मास करने के लिए बेंगलूरु की ओर विहाररत संतश्री समकित मुनिजी के दर्शनार्थ रविवार को केजीएफ में बेंगलूरु चातुर्मास समिति, युवा समिति एवं महिला समिति के पहुंचे। इस मौके पर प्रवचन सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर समकितमुनिजी ने अपने प्रवचन में धर्म, संयम, संस्कार एवं समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को जीवन में अनुशासन एवं समर्पण अपनाने की प्रेरणा दी। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस आध्यात्मिक वातावरण में विशेष शांति एवं ऊर्जा का अनुभव किया। कार्यक्रम के उपरांत सभी सदस्यों ने केजीएफ गौशाला में सेवा लाभ लिया, जहाँ गोसेवा के महत्व को समझा एवं सहभागिता का संकल्प लिया। ङ्गइस अवसर पर चातुर्मास समिति के चेयरमैन प्रकाश बेताला, कमेटी सदस्य राजेंद्र मरलेचा, गुलाब पगारिया, महेंद्र मेहता, महिला अध्यक्षा रसीला मरलेचा, मंत्री पुष्पा बोहरा, युवा चेयरमैन आशीष भंसाली, अध्यक्ष प्रदीप कांटेड़, मंत्री दीपक लुंकड़ सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित थे। सभी सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि समकितमुनिजी के मार्गदर्शन में आगामी बेंगलूरु चातुर्मास 2026 को ऐतिहासिक बनाया जाएगा।

सत्य और स्नेह का संगम ही सम्यक दर्शन : आचार्य कुलबोधिसूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

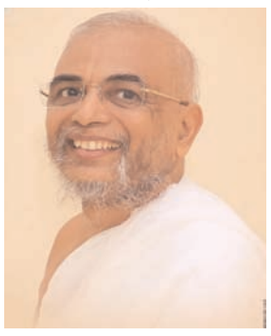

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में विराजित आचार्यश्री कुलबोधिसूरिश्वरजी म.सा. के सान्निध्य में सोमवार को नवपद के अंतर्गत सम्यक दर्शन की आराधना अत्यंत श्रद्धा, उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ सम्पन्न हुई। आचार्यश्री ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में सम्यक दर्शन की महत्ता स्पष्ट करते हुए कहा कि वर्तमान युग में श्रद्धा अत्यंत दुर्लभ हो गई है, जबकि सम्यक दर्शन की प्राप्ति के लिए श्रद्धा ही मूल आधार है। प्रभु के वचनों पर अटूट विश्वास ही सच्चा सम्यक दर्शन है। उन्होंने कहा कि यह मानव जन्म वंदनीय नहीं, बल्कि निंदनीय है, क्योंकि जन्म ही समस्त दुःखों का मूल कारण है। बीमारी मृत्यु का कारण बनती है, और उसका मूल कारण जन्म ही है, इसलिए जन्म को समझदारी से देखना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सम्यक दर्शन के बिना सद्गति भी दुर्गति के समान है। जैसे दीपक जहां भी जाता है, वहां प्रकाश फैलाता है, उसी प्रकार सम्यक दर्शन जीवन के हर क्षेत्र में उजाला लाता है। मोक्षमार्ग में सम्यक चारित्र से पहले सम्यक दर्शन का होना अनिवार्य है।

आचार्यश्री ने अत्यंत सरल उदाहरण द्वारा समझाया कि किसी भी अंक के पहले शून्य लगाने से उसका कोई मूल्य नहीं होता, लेकिन वही शून्य अंक के बाद जुड़ जाए तो उसकी कीमत बढ़ जाती है। ठीक उसी प्रकार यदि साधना या धर्मक्रिया परमात्मा के वचनों में श्रद्धा के बिना की जाए तो उसका कोई मूल्य नहीं होता। उन्होंने कहा कि मिथ्यात्वी व्यक्ति द्वारा किया गया मासक्षमण भी निष्फल है, जबकि सम्यक दर्शन वाले व्यक्ति की छोटी सी साधना भी पूर्ण फलदायी होती है। उन्होंने आगे कहा कि सम्यक दर्शन आत्मा को अज्ञान, भ्रम और मिथ्यात्व से मुक्त करने का प्रथम चरण है। भगवान के बताए अनेक नियमों का पूर्ण पालन संभव न हो, परंतु उन सभी नियमों पर विश्वास रखना ही सच्चा सम्यक दर्शन है।

आचार्यश्री ने अपनी विशिष्ट शैली में सम्यक दर्शन को सत्य दर्शन और स्नेह दर्शन का समन्वय बताया। सत्य दर्शन की व्याख्या करते हुए उन्होंने जीवन की अनित्यता को उजागर किया, उन्होंने कहा, यौवन स्थायी नहीं है, भवन खंडहर बनते हैं और नई वस्तुएं भी एक दिन पुरानी हो जाती हैं। इन सच्चाइयों को स्वीकार करना ही सत्य दर्शन है। साथ ही उन्होंने कहा कि जड़ वस्तुओं के प्रति सत्य दृष्टि रखनी चाहिए, परंतु जीवों के प्रति सदैव स्नेह दृष्टि होनी चाहिए। दूसरों की गलतियों को अनदेखा करना सीखना आवश्यक है, अन्यथा स्नेह समाप्त हो जाता है। उन्होंने बताया कि यदि जैन आगमों के सार को दो शब्दों में व्यक्त किया जाए, तो वे हैं-सत्य और स्नेह। अंत में आचार्यश्री ने सभी श्रद्धालुओं को कम से कम एक दिन के लिए प्रत्येक जीव के प्रति स्नेहभाव रखने का संकल्प दिलाते हुए आत्मकल्याण की दिशा में अग्रसर होने की प्रेरणा दी।

सुन्दरकांड

तिरुपुर में माँ दुर्गा भक्त मन्डल के तत्वावधान मे 29 मार्च को 1462वां मासिक सुन्दरकांड का पाठ भागीरथ गुलेरिया के निवास पर किया गया। मां दुर्गा भक्त मंडल कि ओर से अध्यक्ष अशोक शर्मा, उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने भागीरथ गुलेरिया का आभार व्यक्त किया।

महावीर जन्मकल्याणक पर आकर्षण का केन्द्र बनी प्रभु महावीर की पालकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर में भगवान महावीर के 2625वें जन्म कल्याणक के अवसर पर सोमवार को दिन भर विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। सुबह श्रीजी का अभिषेक प्रारंभ हुआ। ततपश्चात प्रातः 8:15 बजे से चलित झांकियों एवं दिव्य घोष के साथ श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सांयकालीन कार्यक्रमों में 6:45 बजे आरती एवं ऋद्धि मंत्रों के साथ भक्तामर पाठ व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण श्रीजी(महावीर स्वामी) की सुसज्जित पालकी रही, जिसके साथ पुरुष एवं युवा वर्ग भक्ति भाव से चलते हुए दिखाई दिए। शोभायात्रा के बाद जरूरत मंद लोगों को भोजन वितरित किया गया।।

आदिनाथ सेवा केंद्र में सवा लाख नवकार मंत्र का जाप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आदिनाथ सेवा केंद्र चूले में सवा लाख सामूहिक नवकार मंत्र उच्चारण के साथ साध्वीश्री मणिप्रभाजी म. सा. आदि विशाल श्रमणीवंद की निश्रा में किया गया इस कार्यक्रम में चेन्नई के अनेक क्षेत्र से पांच सौ से अधिक आराधकों ने हिस्सा लिया। सर्व प्रथम प्रवचन तत्पश्चात नवकार कलश की मंत्रोच्चार के साथ स्थापन फिर 108 पुष्पों से शोभित नवकार कलश की सुंदर विधि विधान अंतरिक्ष टाटिया द्वारा कराया गया जिसमें मुख्य मंत्र, नवकार की महिमा के बारे में पूज्य गुरु भगवन्तों ने अपने उद्बोधन दिया। धर्म आराधकों ने करीब 327 बार उच्च स्वर में उच्चारण करते हुए अपना जाप पूरा किया। इस मौके पर राजेन्द्रसूरी ट्रस्ट के पदाधिकारी एवंम अनेक संघों से आराधकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराया। कार्यक्रम का के संचालन ट्रस्ट के उपाध्यक्ष डॉ मनोज जैन ने किया। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट में हो रहे अनुष्ठान के लाभार्थी हुलासमल प्रमोद चोरड़िया परिवार के सहयोग से करीब 700 से अधिक आयंबिल की तपस्चर्या प्रति दिन की जा रही है।

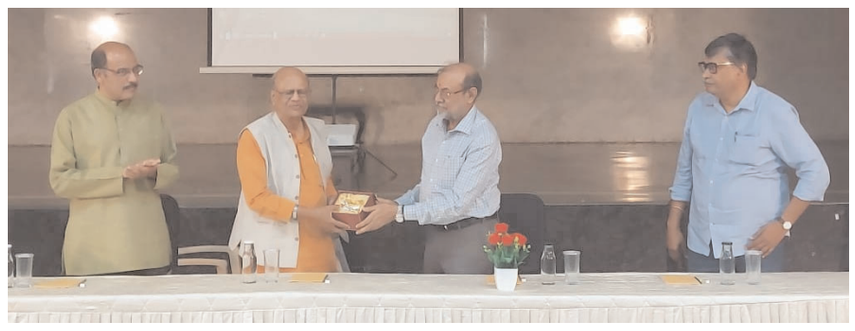

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज में शिक्षक कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के सभागार में शनिवार को विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया के नेतृत्व में सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए 'अनुभव का निर्माण-पाठ्य पुस्तकें और उससे परे विषय' पर शिक्षक-शिक्षिकाओं के लिए ज्ञान प्रबोधिनी पुणे द्वारा एक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस ज्ञानवर्धक अंतर विद्यालय शिक्षक कार्यशाला में विशेषज्ञ एवं प्रेरणा स्रोत, वक्ता ज्ञान प्रबोधिनी पुणे के वरिष्ठ सलाहकार और पूर्व सचिव सुभाष देशपांडे ने मुख्य अतिथि एवं ज्ञान प्रबोधिनी के शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के प्रमुख प्रशांत देवाकर ने विशिष्ट अतिथि पद की शोभा बढ़ाई। कार्यशाला की शुरुआत ईश वंदना से हुई। प्रिंसिपल सी. विजयलक्ष्मी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। ज्ञान प्रबोधिनी एवं शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हुए समाजसेवी अनिल खिचा ने मुख्य अतिथि का परिचय कराया। सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया ने मुख्य अतिथि तथा विवेकानंदा ग्रुप आफ स्कूल के संवाददाता अशोक केडिया ने विशिष्ट अतिथि को शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया।

इस कार्यशाला में राज्य अल्पसंख्यक आयोग तमिलनाडु सरकार के सदस्य प्रवीण टाटिया तथा चेन्नई के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों से प्रधानाचार्य, उप प्रधानाचार्य, शिक्षक एवं अग्रवाल विद्यालय की संयुक्त, संवाददाता शालिनी अग्रवाल एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। वक्ता देशपांडे ने कार्यशाला के विषय पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार एक शिक्षक छात्रों के लिए केंद्रीय स्तंभ हैं इसलिए शिक्षकों को सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए अनुभव की रूपरेखा तैयार करना होगा जो छात्रों के लिए एक व्यवस्थित और सहायक सीखने का वातावरण बनाने के लिए महत्वपूर्ण है एवं अकादमिक सरलता और व्यक्तिगत विकास की ओर ले जाता है इसका उद्देश्य छात्रों को प्रेरित करना, व्यवहार संबंधित समस्याओं को कम करना और कक्षा को सुचारू रूप से चलाना तथा समाज के प्रति उनके उत्तरदायित्व को समझाना है।

विशिष्ट अतिथि देवाकर ने भी सभी शिक्षकों की शंकाओं का समाधान बड़ी ही सरलता से किया। शिक्षकों ने भी बड़ी ही सहजता से अपने विचार साझा किया और अपनी शंकाओं को स्पष्ट किया। अंत में उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

विद्यालय परिसर में महावीर जन्म कल्याणक का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के एजी जैन हायर सेकंडरी स्कूल सहुकारपेट के परिसर में भगवान महावीर जयंती के पूर्व संध्या पर एक एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि धर्मेश लोढा एवं विशिष्ट अतिथि देवेंद्र सिंघवी ने अपने अभिभाषण में 24वें तीर्थंकर श्री महावीर स्वामी के उपदेश सत्य, अहिंसा, ब्रह्मचर्य एवं अपरिग्रह आदि को आत्मसात करने की शिक्षा दी। समस्त विद्यालय परिवार में उल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण का संचार हुआ। इस अवसर पर अन्य गणमान्य अतिथि शान्तिलाल लुक्कड़ सदस्य प्रबंध समिति मांगी कंवर विद्यालय; रविन्द्रराज सिंह सदस्य कोर कमेटी एस एस जैन एजुकेशनल सोसाइटी; विनोद जैन सदस्य/संयोजक आरएसएस मैनेजमेंट गौ सेवा आदि; एवं विद्यालय प्रबन्ध समिति के सदस्य सज्जन राज मेहता, साथ ही कमला मेहता,निर्मला ढढा एवं वर्षा खटोड़ आदि गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस अवसर पर विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा ने अपने अभिभाषण में सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए छात्रों को भगवान महावीर के उपदेशों की महत्ता पर प्रकाश डाला। विद्यालय के कोरेस्पोंडेंट हनुमान चंद बोथरा ने सभी की मुक्त कंठ से प्रशंसा की एवं इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। विद्यार्थियों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ जयश्री ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को भगवान महावीर के आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया और कहा कि उनके उपदेश आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने प्राचीन काल में थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.